■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 23-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स

कल
अंतिम दिन

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन
आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्त्ता -
नितल
इंफ्राप्रॉजेक्ट्स
एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

रिहर्सल

लखनऊ में विधान भवन के सामने 77वें गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान पुलिस के जवान मार्च करते हुए।

सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा वाहन खाई में गिरा, 10 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रवाह/जम्मू/भाषा। सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा सेना का एक बख्तरबंद वाहन बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार 10 जवानों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर लगभग 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप पर उस समय हुआ, जब सेना के बुलेटप्रूफ वाहन 'कैस्पर' के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा।

'कैस्पर' एक 'माइन-रेजिस्टेंट एंबुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी)' वाहन है, जिसे सैनिकों को उन संवेदनशील इलाकों से सुरक्षित रूप से गुजरने की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जहां बारूदी सुरंगें बिछाए जाने या आईईडी (संवर्द्धित विस्फोटक उपकरण) लगाए जाने की आशंका अधिक होती है। सेना के जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खराब मौसम में दुर्गम इलाके से गुजरते समय वाहन सड़क से फिसल गया।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद सेना और पुलिस ने तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया, हालांकि तब तक चार सैनिकों की जान जा चुकी थी और 17 अन्य घायल अवस्था में पाए गए। उन्होंने बताया कि बचाव दल को सेना का वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला।अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के दौरान बाद में, चोटों के चलते छह और सैनिकों की मौत हो गई।अधिकारियों के अनुसार, घायल जवानों में से एक की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे भद्रवाह उप-जिला अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है, जबकि 10 अन्य को विशेष उपचार के लिए हवाई मार्ग से उधमपुर कमान अस्पताल ले जाया गया। भद्रवाह के अतिरिक्त उपायुक्त सुमित कुमार भुटयाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हो गया, जिससे हमने 10 जवान खो दिए और 11 अन्य घायल हो गए। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा में खराब मौसम के बीच दुर्गम इलाके से गुजर रहा सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। इस वाहन में आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए जा रहे सैनिक सवार थे। हादसे में कई जवान हताहत हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने हादसे पर गहरा दुख जताया।राजनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं डोडा में हुए सड़क हादसे से बेहद व्यथित हूं, जिसमें हमने भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों को खो दिया। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने लिखा कि घायल जवानों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा रही है और सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।उमर ने हादसे में जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बचाव अभियान की भी सराहना की।

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों की जान जाने से बहुत दुखी हूं। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे।

सिन्हा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, दुख की इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ा है। घायल सैनिकों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को उनका सर्वोत्तम इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

वहीं, खरगे ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पूरा देश शोक की इस घड़ी में एकजुट है और हमारी संवेदनाएं एवं प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।

'नासिक एयर शो' के दर्शकों से शुल्क वसूले जाने पर वायुसेना नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय वायुसेना ने नासिक जिले में बृहस्पतिवार को आयोजित 'एयर शो' के लिए शुल्क लिए जाने पर निराशा व्यक्त की है। वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बात सामने आई है कि नासिक में आयोजित भारतीय वायुसेना के 'एयर शो' को देखने देने के लिए प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है।

इसमें कहा गया है,भारतीय वायुसेना युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्र के साथ गहरा जुड़ाव पैदा करने के लिए देशभर में एयर शो आयोजित करती है। भारतीय वायु सेना यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह इन आयोजनों के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं लेती है और न ही इनसे उसे कोई आर्थिक लाभ होता है।

संपर्क करने पर एक स्थानीय अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिला प्रशासन द्वारा वसूला गया शुल्क शो देखने के लिए नहीं बल्कि पानी और नाश्ता जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए था। उन्होंने कहा कि टिकट व्यवस्था का उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारी ने बताया कि जिला कलेक्टर ने हाल में घोषणा की थी कि एकत्रित धनराशि सैनिक कल्याण कोष में दी जाएगी। भारतीय वायु सेना की 'सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम' द्वारा प्रस्तुत 'एयर शो' बृहस्पतिवार को नासिक जिले के गंगापुर बांध के ऊपर हुआ, ताकि युवाओं को प्रेरित किया जा सके। पूर्व सैनिकों ने भी इस एयर शो को देखने के लिए 200 रुपए से 800 रुपए तक का शुल्क लेने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह 'एयर शो' के उद्देश्य को ही खत्म कर देता है। नासिक जिले के कलेक्टर आयुष प्रसाद ने कहा था कि यह कदम भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने हाल में पत्रकारों से कहा, इकट्ठा की गई धनराशि महाराष्ट्र सैनिक कल्याण विभाग को सौंप दी जाएगी। यह निर्णय जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि 'एयर शो' शुक्रवार को भी आयोजित किया जाएगा।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कुवेम्पु हिरिया नागरिक हित रक्षण समिति द्वारा हंपीनगर ग्रंथालय में आयोजित 121वें कुवेम्पु जयंती उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता प्रदीप कृष्णा, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, पूर्व पार्षद डॉ राजू , पूर्व पार्षद आनंद होसूर, वेंकटेश एवं समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट में छह मजदूरों की मौत

बलौदाबाजार (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में कम से कम छह मज़दूरों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।जिलाधिकारी दीपक सोनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना बकुलाही गांव में स्थित 'रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड' में सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर हुई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद फैक्टरी से दूर-दूर तक धुएं का गुबार उठता देखा गया। मजदूरों के शव जली हुई हालत में थे। ज्यादातर मजदूर बिहार व झारखंड के निवासी थे।

जिलाधिकारी सोनी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भट्ठी से जुड़े 'डस्ट सेटलिंग चैंबर' (डीएससी) में 'विस्फोट के बाद से रिसाव होने लगा। 'डीएससी' वह जगह होती है जिसमें उच्च तापमान वाली राख पहुंचाई जाती है। उन्होंने बताया कि इस रिसाव के कारण गरम राख कर्मचारियों पर गिर गई जिससे छह कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य झुलस गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को उन्नत उपचार के लिए बिलासपुर स्थित 'छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (सिम्स) में भर्ती कराया गया। जिला प्रशासन की एक टीम घटनास्थल पर मौजूद है और एहतियात के तौर पर क्षेत्र को सील कर दिया गया।घटना की जांच के लिए उप विभागीय मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक जांच टीम बनाई गई है, जिसमें उद्योग, औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि संयंत्र प्रबंधन के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है, जबकि श्रम विभाग के अधिकारी गांव पहुंच गए हैं ताकि पीड़ितों के परिवारों को नियमों के अनुसार मुआवजा मिल सके।

जिला पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने कहा कि बचाव कार्य अभी भी जारी है। उन्होंने कहा, सुबह की पाली में 50 से अधिक कर्मचारी मौजूद थे। सभी कर्मचारियों की एक-एक करके जांच की जा रही है। कुछ कर्मचारी घटना के बाद फैक्टरी से चले गए हैं और उनसे संपर्क करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वृक्षारोपण

हुब्बल्ली के केशवपुर वार्ड संख्या 44 में सामूहिक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जिसमें ट्रीज़ संस्था के सहयोग से एचसीएल कम्पनी द्वारा पार्षद उमा मुकुंद के मार्गदर्शन में नागरिकों ने 6,000 से अधिक पौधे लगाए। इस अवसर पर पार्षद वीरप्पा खंडेकर सहित, उदय शेट्टी, वी. मुकुंद पर्यावरण संरक्षक विनोदकुमार पटवा आदि ने सहयोग किया। इस मौके पर एचसीएल टीम के साथ चेन्नई से आए स्काउट्स एवं गाइड्स आदि भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस परेड : पहली बार वायुसेना के बैंड में महिला अग्निवीर शामिल होंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। देश के इतिहास में पहली बार 77वें गणतंत्र दिवस परेड़ में भारतीय वायुसेना के बैंड में नौ महिला अग्निवीर शामिल होंगी जो कर्तव्य पथ पर अपने वाद्ययंत्रों से मधुर संगीत बजाते हुए मार्च करेंगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने यहां आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि फ्लाइट लेफ्टिनेंट अक्षिता धनखड़ 26 जनवरी को औपचारिक परेड से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दौरान सहयोग करेंगी।

एक अधिकारी ने बताया कि सार्जेंट चार्ल्स एंटनी डेनियल के नेतृत्व में वायुसेना के बैंड के पीछे 144 वायुसैनिकों का मार्चिंग दस्ता चलेगा, जिसका नेतृत्व स्क्वॉड्रन लीडर जगदीश कुमार करेंगे। उन्होंने बताया कि स्क्वॉड्रन लीडर निकिता चौधरी, फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रखर चंद्राकर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट दिनेश मुरली भारतीय वायुसेना दल में अतिरिक्त अधिकारी के रूप में काम करेंगे।

अधिकारी ने बताया कि परेड में दो चरणों में होने वाली फ्लाई पास्ट में कुल 29 विमान - 16 लड़ाकू विमान, चार परिवहन विमान और नौ हेलीकॉप्टर - शामिल होंगे और दर्शकों को इस दौरान विमानों की कुल आठ संयोजना आसमान में देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि फ्लाई पास्ट का पहला चरण परेड के साथ-साथ चार संयोजना के साथ होगा और शेष चार संयोजनाएं परेड समाप्त होने के बाद होंगी, जिसमें पिछले साल मई में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर की सफलता' के उपलक्ष्य में एक विशेष अग्रिम पंक्ति की संयोजना भी शामिल होगी।

वायुसेना मुख्यालय के समारोह निदेशालय के एयर कमोडोर इमरान एच जैदी ने बताया कि 75 सदस्यीय भारतीय वायु सेना बैंड में 66 अग्निवीर होंगे और बाकी वायुसैनिक होंगे। उन्होंने कहा कि इन 66अग्निवीर दस्ते में नौ महिला अग्निवीर शामिल होंगी और यह पहली बार होगा जब वे परेड में भारतीय वायु सेना के बैंड का हिस्सा बनेंगी।

स्क्वॉड्रन लीडर कुमार(33) ने बताया, गणतंत्र दिवस परेड में यह मेरी पहली बार भागीदारी है। कर्तव्य पथ पर अपनी सेवा का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा है।

मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी स्क्वॉड्रन लीडर कुमार के पिता राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी और मां एक स्कूल शिक्षिका हैं। उन्होंने दिसंबर और जनवरी की कड़ाके की ठंड में दिल्ली में अभ्यास करने की चुनौतियों को साझा किया। वह अपने परिवार में सशस्त्र बलों में शामिल होने वाले पहले व्यक्ति हैं।

स्क्वॉड्रन लीडर कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम अभ्यास के लिए सुबह लगभग चार बजे पहुंचते हैं, और फिर यह सुनिश्चित करने के लिए 7-8 घंटे का अभ्यास करते हैं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और दल के सभी सदस्य तालमेल से काम कर रहे हों।

स्क्वॉड्रन लीडर चौधरी टुकड़ी में मौजूद तीन अतिरिक्त अधिकारियों में से एक हैं। वह भी पहली बार औपचारिक परेड में भाग ले रहे हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं 'फाइटर कंट्रोलर' शाखा में काम करती हूं। अगर युद्ध की स्थिति में हमारी कोई महत्वपूर्ण भूमिका होती है, तो भारतीय वायु सेना की टुकड़ी का हिस्सा होना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, ठंड एक चुनौती है, लेकिन यह जानकर हौसला मिलता है कि आपको इस जिम्मेदारी के लिए चुना गया है जो सम्मान का प्रतीक है।

सलामी मंच तक पहुंचने से पहले, भारतीय वायु सेना का बैंड 'निडर योद्धा' और 'सारे जहां से अच्छा' सहित कई धुनें बजाएगा। मंच के सामने यह 'साउंड बैरियर' बजाएगा और मंच पार करने के बाद 'लड़ाकू' धुन बजाएगा।

प्रतिष्ठा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरियाणा के सोनीपत में मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह और आठ मानों के भव्य भोज के दौरान।

स्मृति ईरानी की अगुवाई वाले गठबंधन ने दावोस बैठक में 20 लाख डॉलर जुटाए

दावोस/भाषा। भारत में महिला उद्यमियों के लिए 10 करोड़ डॉलर का कोष बनाने की योजना पर काम कर रहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में महज दो दिनों के भीतर 20 लाख डॉलर की प्रतिबद्धता जुटा ली है।

यह कोष देशभर की महिला-स्वामित्व वाली एक लाख लघु इकाइयों को सहयोग देने के लिए प्रस्तावित है।

स्विट्जरलैंड के दावोस में जारी इस बैठक के दौरान ईरानी ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्हें 2024 में दावोस में भारतीय

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का अवसर मिला था। उसी साल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और गेट्स फाउंडेशन की साझेदारी में 'वैश्विक भलाई के लिए गठबंधन-स्त्री-पुरुष समता एवं समानता' की शुरुआत की गई थी, जिसमें डब्ल्यूईएफ भी नेटवर्क साझेदार है। इस गठबंधन की संस्थापक और चेयरपर्सन के तौर पर लगातार दूसरे साल डब्ल्यूईएफ बैठक में भाग ले रहीं ईरानी ने कहा कि दावोस में स्त्री-पुरुष समानता, समान अवसर और न्याय के मुद्दों को सामने लाने का मकसद यह था कि ये विषय केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी सार्थक हों। उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों में गठबंधन ने 21,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से संवाद किया है और भारतीय विनिर्माण से जुड़े ऐसे मॉडल विकसित करने में मदद की हैं, जिन्हें खासकर महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वैश्विक स्तर पर अपनाया जा सकता है।

ईरानी ने बताया कि यह गठबंधन मातृ मृत्यु दर को कम करने जैसे क्षेत्रों में भी काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जोर छोटे कारोबारों, विशेषकर महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने पर है।

RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 23-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में समाप्त किया संबोधन

6 सरस्वती पूजा : परंपरा, आधुनिकता और मूल्यों के बीच संघर्ष

7 कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है 'द 50' : रिद्धि डोगरा

फर्स्ट टेक

फ्रांस की नौसेना ने रूस से आ रहे तेल टैंकर को भूमध्य सागर में रोका

पेरिस/एपी। फ्रांस की नौसेना ने ब्रिटेन से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर बृहस्पतिवार को भूमध्य सागर में रूस से आ रहे एक तेल टैंकर को रोक लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित रूसी गुप्त बेड़े को निशाना बनाने के उद्देश्य से की गई। भूमध्य सागर में तैनात फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि ग्रिंच नामक जहाज पर फर्जी झंडा लगाकर संचालन करने का संदेह है। बयान में कहा गया है कि फ्रांसीसी नौसेना आगे की जांच के लिए टैंकर को बंदरगाह तक ले जा रही है।

पुत्तूर की अदालत में एक व्यक्ति ने खुदकुशी की कोशिश की

पुत्तूर (दक्षिण कन्नड़)/भाषा। कर्नाटक में पुत्तुर की एक अदालत में बुधवार को 35 वर्षीय व्यक्ति ने कथित रूप से कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि व्यक्ति की पहचान रवि के रूप में की गई है जो कावु मानियाडका का निवासी है। पुलिस के अनुसार रवि और उसकी पत्नी विद्याश्री के बीच घरेलू विवाद था तथा दो दिनों पहले रवि ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर जान लेने की कोशिश की थी जिसके बाद यह मामला पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने कहा कि रवि को थाने आने को कहा गया था लेकिन वहां आने से पहले वह पुत्तुर की अदालत में चला गया और न्यायाधीश के सामने कीटनाशक पी लिया।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि 'ग्लोबल साउथ' के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह जल्द ही भारत में, ब्राजील के राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति के बीच फोन पर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने साझा चुनौतियों से निपटने में सुधारित बहुपक्षवाद के महत्व पर जोर दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति लूला से बात करके खुशी हुई। हमने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा की, जो आने वाले वर्ष में नयी ऊंचाई को छूने वाली है।'' उन्होंने कहा, ''ग्लोबल साउथ के साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए हमारा घनिष्ठ सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारतीय परंपराओं में निहित हैं विश्व की समस्याओं का समाधान : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हम बदलेंगे, युग बदलेगा राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है और गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं, बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है।

हरिद्वार/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है। शाह ने यहां अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा,''जो भारत और उसकी संस्कृति को समझता है, वह जानता है कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है।'' उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पावन भूमि विशेषकर सप्तर्षि भूमि हरिद्वार में आकर हजारों वर्षों की तपस्या की ऊर्जा का अनुभव होता है।

शांतिकुंज के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के योगदान का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि भारत उनके उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता क्योंकि उन्होंने गायत्री मंत्र को जन-जन तक सर्वसुलभ बनाया, वैश्विक मानवतावाद की अवधारणा को सुदृढ़ किया और वैज्ञानिक अध्यात्मवाद को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।

गृह मंत्री ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा का सरल सूत्र हम बदलेंगे, युग बदलेगा राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है और गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं, बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने सनातन धर्म में व्याप्त विकृतियों को दूर कर आध्यात्मिकता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा समानता, संस्कृति, एकता और अखंडता के मूल्यों को सुदृढ़ किया।

गृहमंत्री ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग प्रशस्त किया।

शाह ने आचार्य के संदेशों को मानव कल्याण का मूल मंत्र बताते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में देश की कार्य-संस्कृति और सोच में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा आज भारत को उसकी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और मूल्यों के संदर्भ में आदर भाव से देखा जा रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और अरविंद घोष जैसे युगपुरुषों के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के उत्कर्ष से मानवता का उत्कर्ष सुनिश्चित होगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गायत्री परिवार एक वटवृक्ष के समान है, जो आध्यात्मिक चेतना का प्रचार-प्रसार करते हुए समाज को शांति और सकारात्मकता की छाया प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस ने विचार, विचारधारा, 'आदर्श' खो दिए हैं : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल ने अपने विचार, विचारधारा और आदर्श खो दिए हैं। शिवराज ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, खराब शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी पर विकसित भारत-रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) अधिनियम पर बेवजह हंगामा करने का आरोप लगाते हुए इसे लेकर जताई जा रही आशंकाओं को भी दूर करने की कोशिश की।

शिवराज ने कर्नाटक विधानमंडल के संयुक्त सत्र में कैबिनेट की ओर से अनुमोदित भाषण पढ़ने से इनकार करने के गहलोत के कदम की आलोचना करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। गहलोत ने कैबिनेट की ओर से अनुमोदित भाषण की केवल पहली दो पंक्तियां और आखिरी पंक्ति पढ़ी। इस भाषण में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम से बदले जाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की गई थी। बेंगलूरु में संवाददाताओं से मुखातिब शिवराज ने कहा कि कर्नाटक में विकास ठप हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब जन कल्याण या महात्मा गांधी के आदर्शों में विश्वास नहीं करती है।

कर्नाटक विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के संबोधन में व्यवधान पैदा किए जाने की निंदा करते हुए शिवराज ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने विचार, विचारधारा और आदर्श, तीनों खो दिए हैं। कर्नाटक विधानसभा में आज जो कुछ हुआ है, उसने लोकतांत्रिक आदर्शों को समाप्त कर दिया है और संविधान को नुकसान पहुंचाया है। शिवराज ने ऑडिट के निष्कर्षों और निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कर्नाटक में मनरेगा के कार्यान्वयन में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस आज झूठ की मशीन, भ्रम की दुकान और अफवाहों का बाजार बन चुकी है। सामाजिक ऑडिट में 1.33 लाख अनियमितताएं सामने आई हैं और हजारों मामलों में सिफारिशों के बावजूद वसूली नहीं की गई है। यह मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि कैग की रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है।

दुनिया में सब की चिंता करता है भारत : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत दुनिया में सब की चिंता करता है और उसने अनेक अवसरों पर अपना पेट काटकर भी अन्य देशों की मदद की है। उन्होंने कहा कि हिंसा और अहिंसा का संदर्भ भी धर्म के आधार पर ही होता है।

भागवत ने नागौर जिले के छोटी खाटू कस्बे में 162वें मर्यादा महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह कार्यक्रम आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में हुआ।

भागवत ने वैश्विक परिदृश्य का विश्लेषण करते हुए कहा कि ''वर्तमान में व्यक्ति और देश चाहे जो भी हो.. मेरा स्वार्थ पूरा होना चाहिए, ऐसा सोचते हैं। लेकिन भारत न तो इस मार्ग पर चला है और न ही चलेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत विश्व में सब की चिंता करता है। भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने अनेक आपदा व संकट के अवसर पर सेवा कार्य किया है। अपना पेट काटकर भी भारत ने अन्य देशों की मदद की है। यही धर्म है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''धर्म हमें करणीय व अकरणीय का ज्ञान देता है। हिंसा, अहिंसा का संदर्भ भी धर्म के आधार पर होता है। हम लाठी सीख रहे हैं, तो चाहे जैसे नहीं चलाएंगे। लाठी का संदर्भ हिंसा-अहिंसा के संदर्भ में ही उसका प्रयोग मर्यादा अनुसार हो।''

एक बयान के अनुसार सरसंघचालक ने कहा, ''हम सब अलग-अलग दिखते हैं, लेकिन मूल में एक ही हैं। सभी अपने हैं, ये मानकर जीवन जीने में अपने आप मर्यादा आती है। सब अपने हैं, सबका जीवन चलना चाहिए। यही धर्म हमें सिखाता है।'' उन्होंने कहा कि जीवन की सभी समस्याएं कानून से हल नहीं होती है, उससे आगे धर्म से भी अनेक समस्याओं का हल होता है।

सरसंघचालक ने कहा कि भारत दुनिया को मर्यादा सिखाने के लिए सदैव ही तत्पर रहा है।

भागवत ने कहा कि भारत में समाज के श्रेष्ठ लोग केवल बोलते ही नहीं है बल्कि उसे अपने जीवन में ढालते भी हैं। भारत के श्रेष्ठ लोगों का सदैव से ही अनुकरण होता रहा है।

सीडीएस चौहान ने 'सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढांचा' पेश किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने क्वांटम प्रौद्योगिकियों के चार स्तंभों को तीनों सेनाओं में शामिल करने के लिए बृहस्पतिवार को एक व्यापक दस्तावेज जारी किया, ताकि उन्हें भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए तैयार किया जा सके और तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में तकनीकी प्रभुत्व हासिल किया जा सके।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 'सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढांचा' में सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकियों को लागू करने की नीति और कार्ययोजना शामिल है। बयान के मुताबिक, 'सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढांचा' के दृष्टिपत्र में क्वांटम प्रौद्योगिकियों को शामिल करने की दिशा में तालमेल कायम करने, राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के साथ संरेखण करने और रक्षा बलों में इसे लागू करने के लिए एक सांकेतिक रूपरेखा और नीति तैयार करने के लिए आगे का रास्ता परिभाषित किया गया है।

सिख विरोधी दंगे:

जनकपुरी हिंसा मामले में सज्जन कुमार 'विश्वसनीय सबूतों के अभाव' में बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

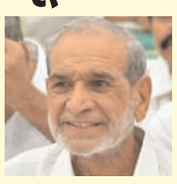

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने से जुड़े मामले में बृहस्पतिवार को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

कुमार साल 2018 से जेल में बंद हैं, जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक-दो नवंबर 1984 को पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या से जुड़े मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत पीड़ितों और उनके परिवारों की ओर से झेली गई पीड़ा को समझती है, लेकिन उसका निर्णय भावनाओं से परे होना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस मामले में आरोपी को दोषी ठहराने का फैसला पेश किए गए सबूतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष ने जिन गवाहों से जिरह की, उनमें से ज्यादातर के बयान सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं और/या वे ऐसे गवाह हैं, जिन्होंने तीन दशकों तक आरोपी का नाम नहीं लिया।

ट्रंप ने 'शांति बोर्ड' का किया अनावरण, भारत रहा अनुपस्थित

■ भारत के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई अन्य प्रमुख देश भी न्योते के बावजूद 'शांति बोर्ड' के अनावरण समारोह से नदारद रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने और संभवत: वैश्विक संघर्षों का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए प्रस्तावित 'शांति बोर्ड' का बृहस्पतिवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में औपचारिक रूप से अनावरण किया, लेकिन भारत इस मौके पर अनुपस्थित रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन कई वैश्विक नेताओं में शामिल थे जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण के तहत घोषित बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

भारत के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई अन्य प्रमुख देश भी न्योते के बावजूद 'शांति बोर्ड'के अनावरण समारोह से नदारद रहे।

ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस स्थित पहाड़ी रिसॉर्ट में आयोजित वार्षिक विश्व आर्थिक मंच(डब्ल्यूईएफ) के इतर इस समारोह की मेजबानी की।

ट्रंप ने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इस बोर्ड को 'दुनिया के लिए एक बेहद अनोखी पहल'' बताया। उन्होंने बोर्ड के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में कहा, ''यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर न केवल पश्चिम एशिया में, बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।'' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ किस प्रकार सहयोग करेगा।

पूरे घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के निमंत्रण के बारे में पूछे जाने पर कहा कि भारत ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि भारत इस पहल के विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहा है क्योंकि इसमें कई संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं।

ट्रंप का पुतिन को संदेश : युद्ध को खत्म करना होगा

दावोस/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक अच्छी रही और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनका संदेश है कि ''युद्ध समाप्त होना चाहिए''। स्विट्जरलैंड के रिजॉर्ट शहर दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद स्वदेश लौटने से पहले ट्रंप ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आज या कल पुतिन से मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा, ''मेरी मुलाकात राष्ट्रपति जेलेंस्की से यहां हुई। बैठक अच्छी रही। हम (अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल) आज या कल राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे।''

गाजा के पुनर्निर्माण के लिए रूस अपनी जब्त संपत्तियों से एक अरब अमेरिकी डॉलर देने को तैयार : पुतिन

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि मॉस्को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल वाले शांति बोर्ड के तहत गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर आवंटित करने को तैयार है। यह रकम अमेरिका में जब्त की गई रूसी संपत्ति से दी जाएगी।

पुतिन ने रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन में, फलस्तीनी नेता महमूद अब्बास से मुलाकात की और यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में वास्तविक समाधान की एकमात्र कुंजी एक पूर्ण संप्रभु फलस्तीनी राष्ट्र है।

रूसी राष्ट्रपति ने अब्बास का स्वागत करते हुए कहा, ''हमारा मानना है कि एक संप्रभु फलस्तीनी राष्ट्र का निर्माण ही पश्चिम एशिया में संघर्ष के अंतिम समाधान का एकमात्र रास्ता है।'' अब्बास बुधवार रात को उच्च स्तरीय वार्ता के लिए दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे।

पुतिन, जिन्हें शांति बोर्ड में शामिल होने का आमंत्रण मिला है, ने ट्रंप के शांति प्रयासों का स्वागत किया और कहा कि मॉस्को अमेरिका में रूस की जब्त की गई संपत्तियों में से एक अरब अमेरिकी डॉलर गाजा के पुनर्निर्माण के लिए आवंटित करने को तैयार है।

संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता : डेनमार्क की प्रधानमंत्री

कोपनहेगन/एपी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि उनका देश अपनी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं कर सकता। यह टिप्पणी फ्रेडरिक्सन ने तब की जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रुट के साथ आर्कटिक सुरक्षा पर भविष्य के समझौते का ढांचा तय करने पर सहमति व्यक्त की है। ट्रंप ने कहा था कि इसका परिणाम यह होगा कि हमें ग्रीनलैंड तक ''जितनी भी सैन्य पहुंच चाहिए, वह सब मिल जाएगी''। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का दबाव बनाने के लिए आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की धमकी को बुधवार को वापस ले लिया। ग्रीनलैंड नाटो सहयोगी डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इससे कुछ समय पहले ट्रंप ने कहा था कि वह द्वीप को पूरे अधिकार, स्वामित्व और कब्जे सहित प्राप्त करना चाहते हैं। संभावित करार को लेकर बृहस्पतिवार को भी स्थिति बहुत अस्पष्ट रही।

23-01-2026 सूर्यास्त 6:16 बजे | 24-01-2026 सूर्योदय 6:46 बजे

BSE 82,307.37 (+397.73) | NSE 25,289.90 (+132.40)

सोना 15,893 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 311,148 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

संत और सत्ता

संत कहे खुद को अपमानित,
तो किसका सम्मान यहां।
कौन बड़ा है लोकतंत्र में,
हो किसका गुणगान यहां।
धर्म और सत्ता में होती,
प्रतिदिन खींचमतान यहां।
देख दुर्दशा संविधान की,
घायल हर इंसान यहां।।

गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही भाजपा सरकार : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भर्ती परीक्षाओं में 'ओएमआर शीट' बदले जाने के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही है। गहलोत ने मांग की कि राज्य सरकार 2024 और 2025 में आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं की भी गंभीरता और गहराई से जांच कराए। विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इस प्रकरण में मंगलवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख सहित चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में गहलोत ने कहा कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में 'ओएमआर शीट' बदले जाने के खुलासे ने पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसओजी की रिपोर्ट के अनुसार यह गड़बड़ी 2018 से पहले की भाजपा सरकार के समय शुरू हुई और 2026 तक जारी रही जो अत्यंत चिंताजनक है। गहलोत ने कहा कि जो कर्मचारी इस फर्जीवाड़े में लिप्त थे, वे 2024 और 2025 में भी सक्रिय रहे और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में पदस्थ थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रश्नपत्र लीक की समस्या से निपटने के लिए देश में सबसे पहले कड़े कानून बनाए, जिनमें उम्रकैद की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इतिहास में पहली बार राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान एसओजी ने 250 से अधिक गिरफ्तारियां कीं और प्रश्नपत्र लीक करने वाले माफिया की संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कभी राजनीति को न्याय के आड़े नहीं आने दिया और जहां भी कमी रही, वहां सुधार किए गए। उन्होंने कहा, चाहे कांग्रेस शासन हो या भाजपा शासन, यदि किसी ने भी बेईमानी की है तो उसे प्रश्नपत्र लीक से जुड़े नए कड़े कानूनों के तहत सजा मिलनी चाहिए, ताकि न्याय सुनिश्चित हो सके।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रश्नपत्र लीक और ओएमआर शीट बदलने जैसे गंभीर मुद्दों पर निष्पक्ष जांच कराने के बजाय इन्हें राजनीतिक हथियार बना रही है और केवल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई परीक्षाओं को निशाना बना रही है। गहलोत ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा सूचना सहायक, संविदा नर्स (जीएनएम/एएनएम), कृषि पर्यवेक्षक, कनिष्ठ लेखाकार, संगणक, समान पात्रता परीक्षा (सीईटीस्नातक और वरिष्ठ माध्यमिक), पशु परिचर, कनिष्ठ अनुदेशक, एलडीसी, कनिष्ठ अभियंता (जेईएन), पटवारी, वाहन चालक, ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (ग्रेड-4) सहित कई परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें 35 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि ये सभी परीक्षाएं उसी प्रणाली और स्टाफ की देखरेख में हुईं, जो अब ओएमआर शीट में गड़बड़ी के मामले में पकड़े गए हैं। गहलोत ने कहा कि इस कारण इन सभी परीक्षाओं की शुचिता संदेह के घेरे में आ गई है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी लगातार शिकायत कर रहे हैं कि पिछले दो वर्षों से कट-ऑफ असामान्य रूप से अधिक जा रही है, जिससे संदेह पैदा हो रहा है।

भारतीय भाषा में सिंधी भाषा संस्कृत के सर्वाधिक निकट : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि संस्कृत भाषा प्राचीनतम भाषा है और सभी भाषाओं की जननी मानी जाती है। देश में जितनी भी भाषाएं हैं उनमें संस्कृत भाषा के शब्द आते हैं। आधुनिक भारतीय भाषा में सिंधी भाषा संस्कृत के सर्वाधिक निकट है। इसके 70 प्रतिशत शब्द संस्कृत भाषा से मिलते हैं। बागड़ ने कहा कि भारत भाषा की विविधता और संस्कृति की सुगंध के कारण विश्व के श्रेष्ठ देशों में शामिल है। भाषाओं की विविधता में एकता की डोर से हम सभी देशवासी बंधे हुए हैं। बागड़ गुरुवार को कोटा विश्वविद्यालय के नागार्जुन सभागार में सिंधी संस्कृति, अध्ययन एवं परम्परा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय सिंधी भाषा परिषद एवं सिंधु अध्ययन शोध पीठ, कोटा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्व की तीन शुरुआती सभ्यताओं मिश्र, मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी सभ्यता में से सिंधु घाटी की सभ्यता व्यापक थी। वहां जो शहर थे वे परिष्कृत थे और उन्नति के उच्च स्तर को प्रदर्शित करते थे। यह सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में रही है। उन्होंने कहा कि सिंधी सभ्यता एवं संस्कृति के अध्ययन पर आयोजित इस संगोष्ठी के माध्यम से आमजन को सिंधी भाषा, संस्कृति एवं उनकी समृद्ध परम्पराओं के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिंधी संस्कृति जितनी समृद्ध है उतनी ही व्यापारिक कुशलता हमारे सिंधी समाज के लोगों में है जिन्होंने देश विभाजन के समय अपना सब कुछ छोड़कर हिन्दुस्तान को अपनाया और यहां आकर कड़ी मेहनत के बल पर आज व्यापार जगत में अच्छा नाम कमाया है।

बागड़े ने कहा कि सिंधी समाज के अध्यात्मिक गुरुओं ने समाज को संगठित करने के साथ ही सिंधी संस्कृति की समृद्ध परम्पराओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संत कंवरराम मानवता की सेवा के लिए जाने जाते हैं। साधु वासवानी महान संत हुए जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया।

राज्यपाल ने भारतीय शिक्षा पद्धति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत का ज्ञान का सूर्य युगों से दैदिप्तमान रहा है। 1835 से पहले भारत एक समृद्ध राष्ट्र था। यहां के लोगों की नैतिकता, ईमानदारी और एक-दूसरे को सहयोग करने की इच्छा शक्ति के कारण अंग्रेज भारत को गुलाम नहीं पा रहे थे। भारतीयों के नैतिक मूल्यों से अंग्रेजों को भय था, भारत को गुलाम बनाने के लिए 1835 में लॉर्ड मैकाले अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लेकर आया और यहां के गुरुकुल बंद करा दिए। भारतीयों को भूखमरी की ओर धकेलने के लिए अंग्रेजों ने घरेलू उद्योग धंधे बंद करा दिए। यहां का कपास वहां ले जाकर तैयार कपड़ा भारत में बेचकर देश को गरीबी की ओर धकेला। इसलिए उन्होंने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संगोष्ठी में हिंदी के साथ ही सिंधी भाषा में अपने विचार रखते हुए कहा कि 19वीं शताब्दी के विद्वान डॉ. अर्नेस्ट ट्रम्प ने लिखा था कि सिंधी भाषा संस्कृत की शुद्धतम संतान है जिसमें विदेशी तत्व न्यूनतम है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं है। यह हमारी पहचान का प्रमाण और आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी धरोहर है। सिंधी भाषा की समृद्धि और उसकी मधुरता अद्वितीय है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक सिंधी परिवार एक संकल्प ले कि घरों में प्रतिदिन आधा घण्टा केवल सिंधी भाषा में बात होगी। उन्होंने कहा कि भारत में अलग-अलग प्रदेशों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उनमें सिंधी भाषा का भी एक विशिष्ट स्थान है।

सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिंधी समाज के महान संतों का विवरण पाठ्यक्रमों में जुड़वाया गया है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में शहादत देने वाले महान बलिदानी हेमू कालानी का पाठ भी पाठ्यक्रम में जोड़ा जाएगा। देवनानी ने कहा कि अजमेर की प्रसिद्ध फॉय सागर झील का नाम बदलकर वरुण सागर रखा जाएगा और वहां वरुण देवता की 15 फीट ऊंची मूर्ति लगवाई जाएगी।

शेखावाटी की हवेलियों का होगा संरक्षण और मंडावा को इसके मॉडल के रूप में किया जाएगा विकसित : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन व कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ की उपस्थिति में गुरुवार को पर्यटन भवन में पर्यटन व कला एवं संस्कृति विभाग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने फोन ऐप, आमेर मास्टर प्लान, पुरालेखों का डिजिटलीकरण,मीडिया बाईन्ग, प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पुष्कर कोरिडोर, जेकेके टेंडर, रवीन्द्र रंगमंच रिनोवेशन, ठढखउए बोर्ड, माइस सेंटर के लिए भूमि आवंटन, अल्बर्ट हॉल टेंडर आदि प्रोजेक्ट्स पर प्रगति की जानकारी ली तथा इन कार्यों को टाइम लाइन्स के आधार पर त्वरित गति से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के संबंध में प्रगति की जानकारी ली तथा मंडावा को विरासत संरक्षण के मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने राज्य की बावड़ियों के संरक्षण के लिए भी समग्र कार्य योजना बनाकर कार्य किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस क्षेत्र में अन्य अच्छे कार्यों का अनुसरण करने के ङ्कभी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में यूडीएच एवं एलएसजी विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में होटल इण्डस्ट्री के प्रतिनिधियों से होटल इण्डस्ट्री को सुविधाएं दिए जाने तथा उनको आने वाली समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में होटल इण्डस्ट्री को भूमि आवंटन तथा नई होटल यूनिट स्थापित करने, उन्हें लाईसेंस दिए जाने, फायर एनओसी दिए जाने तथा अन्य सरकारी प्रक्रिया में आसानी से अनुमति मिल सकेगी तो वे राज्य पर्यटन विकास में अपना योगदान बेहतर रूप में दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सिंगल विंडो क्लियरियंस को प्राथमिकता देनी होगी।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजस्थान में बावड़ियों के संरक्षण के लिए बेहतरीन कार्य ङ्कए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी कई बावड़ियों पर पहले से ही संरक्षण के काम किये जा रहे हैं। जिनमें से कुछ काम हो भी चुके हैं। बावड़ियों के संरक्षण के लिए हम उन सब कार्यों का एक पूरा डॉक्युमेंटेशन तैयार कर रहे हैं। जिसके आधार पर राज्य में आगे और कौन-कौन सी बावड़ियों का संरक्षण किया जा सकता है इसके लिए भी कार्य योजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

दिया कुमारी ने कहा कि पांडुलिपियाँ हैं, मैन्युस्क्रिप्ट्स हैं जो हमारी विरासत है उन पर काम चल रहें हैं उसके बारे में भी चर्चा हुई हैं और आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं की बेहतर क्रियान्विति की है। इसके साथ ही आने वाले बजट में कौन-कौन से महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया जा सकता है इस पर भी चर्चा की गईं है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में आने वाले पर्यटकों के लिए सभी तरीके की पर्यटन सुविधाओं का विकास हो इस पर केंद्रित होकर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे कि राजस्थान में देशी-विदेशी पर्यटकों को आने में ज्यादा सुविधा होगी।

एयर कनेक्टिविटी विस्तार से राज्य में निश्चित ही पर्यटक आगमन को पंख लग सकते हैं। दिया कुमारी ने कहा कि हमारे यहां रोड कनेक्टिविटी, ट्रेन कनेक्टिविटी, पर्यटक स्थलों पर बेहतर सुविधाओं के साथ ही ढांचागत विकास पर राज्य सरकार का ध्यान केंद्रित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन सीजन में अधिक पर्यटक आने पर भी भी पर्यटकों को कोई असुविधा न हो इस पर कार्य किया जाएगा। पीक ट्यूरिस्ट सीजन में भी पर्यटकों को ठहरने की उचित आतिथ्य यूनिट मिल सके इस हेतु होटल्स आदि में कमरों की संख्या बढ़ाई जाने को पर कार्य किया जाना है जिसपर हम विचार कर रहे हैं। इन्वेंट्री उपलब्धता और थ्री-स्टार और फोर-स्टार होटलों की संख्या को कैसे बढ़ाया जा सकता इस हेतु कार्य किया जाएगा।

सीआईएसएफ से जुड़े 324 खिलाड़ी, मांडविया ने खेलते रहने का आग्रह किया

देवली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने ओलंपिक खेलों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अधिक पदक जीतने के उद्देश्य से गुरुवार को 324 खिलाड़ियों को अपने सुरक्षा बल में शामिल किया। इन खिलाड़ियों में 171 महिला खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने टोंक जिले के देवली कस्बे में स्थित सीआईएसएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण लिया। यह कस्बा राज्य की राजधानी जयपुर से लगभग 165 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने रेजिमेंटल पासिंग आउट परेड की सलामी ली और सीआईएसएफ में शामिल होने वाले खिलाड़ियों से खेलते रहने और 2036 तक भारत को खेल के क्षेत्र में शीर्ष 10 में शामिल करने की दिशा में अपना योगदान देने का आग्रह किया। भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करना चाहता है। इसके लिए उसने अहमदाबाद शहर को चुना है जहां 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों का भी आयोजन होगा। सीआईएसएफ ने 1969 में अपनी स्थापना के बाद से 2025 में 324 खिलाड़ियों की भर्ती की थी। उसने इस तरह से पहली बार इतने खिलाड़ियों को अपने सुरक्षा बल से जोड़ा। सीआईएसएफ ने बताया है कि इन खिलाड़ियों में से 18 ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि 56 ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यही उपलब्धि हासिल की है।

बारां में अमृत महोत्सव का शुभारंभ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जमा रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने बारां में कृषि उपज के मंडी प्रांगण में बुधवार को जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता, राजीविका के समन्वय से आयोजित अमृत महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही राजसखी मेले, अमृत महोत्सव मेले का भी शुभारंभ किया गया। राज्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं के समग्र सशक्तीकरण की इस अभिनव पहल का स्वागत कर, विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। राज्य मंत्री द्वारा महिला संरक्षण, सुरक्षा से संबंधित कानूनों, नियमों के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में लोक कलाकारों व महाविद्यालय की छात्राओं ने लोक नृत्य व नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राज्य एवं विभाग की फ्लैगशिप लाडो प्रोत्साहन योजनान्तर्गत नवजात बालिकाओं को बेबी किट और राजकीय जनजाति आवासीय बालिका छात्रावासों में आवश्यक सामग्री किट वितरण किए गए। जिले में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिला अधिकारिता एवं जिला ब्रांड एम्बेसडर डॉ. सुधीरा के सहयोग से राजकीय कन्या महाविद्यालय में विकसित बेटी लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को कवि सम्मेलन व शनिवार को फैशन शो एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जाएगा।

पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए हर संभव प्रयास होंगे सुनिश्चित : विनीता सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले में चिन्हित पंच-गौरव से जुड़े स्थलों के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार, जयपुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंच-गौरव योजना को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने तथा इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह ने बैठक में राज्य स्तर से पंच-गौरव योजना के लिए आवंटित बजट की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृतियां लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र जारी किया जाए। साथ ही जिन कार्यों की वित्तीय स्वीकृतियां पूर्व में जारी हो चुकी हैं, उन कार्यों को अविलंब प्रारम्भ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ शीघ्र रूप से दिखाई दे।

मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा गत 1 जनवरी को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित पंच-गौरव योजना की समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के लक्ष्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करें।

उन्होंने बताया कि पंच-गौरव की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निर्देशित किया गया कि सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इससे युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित होगी।

मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि कार्यक्रमों, मेलों एवं सार्वजनिक आयोजनों में पंच-गौरव से संबंधित स्टॉल लगाए जाएं, जहां आमजन को पंच-गौरव स्थलों की जानकारी, उनके संरक्षण की आवश्यकता तथा उनसे जुड़ी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया जाएगा। संबंधित विभागों को पंच-गौरव के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अधिकाधिक पहल करते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण की योजना नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

राजस्थान में निवेश अनुकूल नीतियों और योजनाओं से बढ़ रहा निवेश : श्रीनिवास

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें राज्य की निवेश प्रोत्साहन नीतियों के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए करीब 49,883.85 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की अनुशंसा की गई। ऊर्जा, सीमेंट, खनन, टेक्सटाइल, पेट्रोकेमिकल, स्टील, स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने पर 13 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार नए अवसर सृजित होंगे। इन प्रस्तावों को अब मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले निवेश बोर्ड में रखा जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही निवेश अनुकूल नीतियों और योजनाओं के कारण राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल बना है। व्यापार और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को भी पहले की तुलना में काफी आसान कर दिया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य सरकार के इन प्रयासों और अपार उद्योग संभावनाओं के कारण देश-विदेश के निवेशक प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। इससे निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

पिछले एक साल में, राज्य सरकार ने इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए कई सुधार किए हैं, जिसमें 20 से ज़्यादा प्रोग्रेसिव पॉलिसी लॉन्च करना और ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस सुधारों को लागू करना शामिल है।

अजमेर मर्डर मिस्ट्री का खुलासा

पति ही निकला पत्नी का हत्यारा, किराएदारों से करवाया था कत्ल

अजमेर/दक्षिण भारत। अजमेर के आदर्श नगर थाना इलाके में हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अपनी ही पत्नी की हत्या की साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड पति भागचंद रावत (57) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि पति ने ही पारिवारिक कलह के चलते अपने दो किराएदारों को लालच देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया था। बेटे के शक ने खोला राज वारदात के बाद आरोपी पति लगातार खुद को निर्दोष दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसके अपने ही बेटे ने पिता की गतिविधियों पर शक जाहिर किया था। पुलिस ने जब वैज्ञानिक साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन की जांच की, तो कड़ियां आपस में जुड़ती चली गईं।

आरोपी भागचंद ने अपने घर में रह रहे दो किराएदारोंहेमंत कुमार शर्मा (23) निवासी अलवर और विकास ठोलिया (19) निवासी नागौर को हत्या के बदले प्रॉपर्टी और जेवरात उनके नाम करने का बड़ा प्रलोभन दिया था। इसी लालच में आकर दोनों युवकों ने महिला की रस्सोई में चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद दोनों किराएदार और पति पुलिस को गुमराह करने के लिए अनजान बने रहे।

वे पुलिस की कार्रवाई के दौरान परिजनों के आसपास ही घूमते रहे ताकि किसी को शक न हो। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने पहले दोनों किराएदारों को दबोचा, जिनकी निशानदेही पर आज मुख्य आरोपी पति को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

राज्यपाल ने तीन वाक्य में समाप्त किया संबोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बृहस्पतिवार को यहां राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया जिसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्यपाल पर अपना खुद का विचार व्यक्त करने का आरोप लगाया और उन्हें केंद्र सरकार की ''कठपुतली'' करार दिया।

गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है। विधानसभा और विधानपरिषद में अपने संक्षिप्त संबोधन के बाद गहलोत सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों के विरोध के बीच सदन से बाहर चले गए, जिन्होंने उन्हें घेरने का भी प्रयास किया।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपना अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल ने हिंदी में कहा, ''मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधानमंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं भौतिक विकास को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक।''

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल समेत सत्ता पक्ष के अन्य विधायक आश्चर्य से खड़े हो गए और गहलोत से अभिभाषण पूरा करने का अनुरोध किया। जैसे ही राज्यपाल निकास द्वार की ओर बढ़े, विधान परिषद सदस्य बी. के. हरिप्रसाद समेत सत्ताधारी विधायकों ने नारे लगाकर उनका घेराव करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें हटा दिया।

इसके बाद विधायकों ने कन्नड़ में 'शर्म, शर्म' और 'धिक्कार-धिक्कार', 'राज्यपाल को धिक्कार' के नारे लगाए। राज्यपाल का बचाव करते दिख रहे भाजपा सदस्यों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

सिद्दरामय्या ने गहलोत पर राज्य सरकार द्वारा तैयार भाषण के बजाय अपना खुद का भाषण पढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यपाल संविधान द्वारा निर्धारित अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्यपाल ने सरकार द्वारा तैयार पूरा भाषण नहीं पढ़कर संविधान का उल्लंघन किया है और वह केंद्र सरकार के ''हाथों की कठपुतली'' की तरह काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा तैयार भाषण के बजाय अपना भाषण पढ़ा और वह संवैधानिक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा तैयार पूरा भाषण नहीं पढ़कर राज्यपाल ने संविधान का उल्लंघन किया और वह केंद्र सरकार के ''हाथों में कठपुतली'' की तरह काम कर रहे हैं।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, ''हर नए साल में राज्यपाल को संयुक्त सत्र को संबोधित करना होता है और उन्हें राज्य मंत्रिमंडल द्वारा तैयार भाषण पढ़ना होता है। यह संवैधानिक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 176 और अनुच्छेद 163 में कहा गया है कि राज्यपाल सरकार या मंत्रिमंडल द्वारा तैयार किया गया भाषण पढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''आज उन्होंने मंत्रिमंडल द्वारा तैयार भाषण पढ़ने के बजाय स्वयं का तैयार किया हुआ अभिभाषण दिया। यह भारतीय संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध है। यह संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 का स्पष्ट उल्लंघन है इसलिए यह राज्यपाल का अभिभाषण नहीं माना जा सकता। उन्होंने संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया। उन्होंने भारतीय संविधान द्वारा निर्धारित अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसलिए हम राज्यपाल के इस रुख का विरोध करेंगे। हम इस पर विचार कर रहे हैं कि उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाए या नहीं। हम आपको सूचित करेंगे।'' कर्नाटक विधानसभा की कार्यवाही पुनः शुरू होते ही, राज्यपाल के अभिभाषण पर विधि मंत्री पाटिल के भाषण को प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लिए आयोजित पारंपरिक श्रद्धांजलि से पहले प्राथमिकता दी गई, जिस पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पाटिल ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने राष्ट्रगान का अपमान किया, क्योंकि उन्होंने अपने अभिभाषण के अंत में राष्ट्रगान बजने का इंतजार नहीं किया। विपक्षी विधायकों ने कहा कि श्रद्धांजलि से पहले मंत्री को बोलने की अनुमति देना परंपरा के विरुद्ध है।

सदन के नियमों का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण से पहले, उसके दौरान या उसके बाद किसी को भी अनुशासनहीन व्यवहार नहीं करना चाहिए, लेकिन इसका उल्लंघन किया गया। अशोक ने नियम का उल्लंघन करने वाले विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लोक भवन और कांग्रेस नीत राज्य सरकार के बीच जारी तनावपूर्ण गतिरोध के बीच यह घटनाक्रम हुआ। यह गैर-भाजपा शासित राज्यों में निर्वाचित सरकारों और लोक भवन के बीच टकराव की ताजा घटना है। पिछले दो दिन में यह इस प्रकार की यह तीसरी घटना है। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि मंगलवार को वर्ष के पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना ही सदन से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में ''गलतियां'' थीं। इसी प्रकार, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को ''छोड़'' दिया था और लोक भवन ने दावा किया कि राज्यपाल के सुझावों को अभिभाषण के मूल मसौदे से हटा दिया गया था। गहलोत ने राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से बुधवार को इनकार कर दिया था। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को केंद्र द्वारा ''निरस्त'' किए जाने संबंधी कुछ संदर्भों पर आपत्ति जताई थी।

केनरा बैंक टोलिक ने राष्ट्रीय राजभाषा पुरस्कारों में प्रथम पुरस्कार जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कैनरा बैंक के मुख्यालय द्वारा गठित टाउन ऑफिशियल लैंग्वेज इम्प्लीमेंटेशन कमेटी (बैंक और बीमा), बेंगलूरु को टोलिक ऑफिशियल लैंग्वेज अवार्ड के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा 20 जनवरी को इंदौर में आयोजित मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रभारी) हरदीप सिंह अहलूवालिया को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार से प्रतिष्ठित शील्ड प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, टोलीसी की सहायक महाप्रबंधक एवं सदस्य सचिव श्रीकला श्रीकुमार को सांसद शंकर लालवानी से प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

यह मान्यता बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में राजभाषा के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने में समिति के सराहनीय प्रदर्शन को उजागर करती है।

राज्यपाल के पक्ष में आई भाजपा, कांग्रेस पर सदन के 'दुरुपयोग' का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत के उस फैसले का जोरदार बचाव किया जिसके तहत उन्होंने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के दौरान सरकार द्वारा तैयार भाषण पूरा नहीं पढ़ने का निर्णय लिया।

विजयेंद्र ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर केंद्र के खिलाफ जन असंतोष भड़काने के लिए सदन के 'पटल का दुरुपयोग' करने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से राज्यपाल पर 'हमला करने की कोशिश करने' वाले सत्तारूढ़ दल के विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने भी गहलोत का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने राज्यपाल और संविधान का अपमान करके विशेष सत्र को 'काला दिन' बना दिया। अशोक ने कहा कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर को पत्र लिखकर राज्यपाल के प्रस्थान के दौरान दुर्व्यवहार करने वाले विधानसभा और विधानपरिषद के सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा, महामहिम राज्यपाल ने आज जो किया वह सही है। उन्होंने सही निर्णय लिया है। उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया है, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा राज्यपाल का अपमान करना उचित नहीं है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों द्वारा महामहिम पर हमला करने का प्रयास पूरी तरह से असंवैधानिक है। इसलिए, मैं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से सत्तारूढ़ विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों के रवैये के लिए माफी मांगने की मांग करता हूं... उन्हें सख्त कार्रवाई भी करनी चाहिए।''

उन्होंने कहा, अध्यक्ष को भी इस मामले की जांच करनी चाहिए तथा उन विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए जो राज्यपाल को रोकने एवं उन पर हमला करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस सरकार विधानसभा का दुरुपयोग करने की कोशिश कर रही है और वह लोगों को केंद्र सरकार के खिलाफ भड़का रही है जो सही नहीं है। इसका क्या कारण है?''

विजयेंद्र ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाए गए विभिन्न परिवर्तनों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे मनरेगा की जगह 'वीबी-जी राम जी' लाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण महात्मा गांधी जी के सपने 'राम राज और ग्राम राज' को साकार करना है।

मंत्री खरगे ने सरकार का पूरा अभिभाषण पढ़ने से इनकार करने पर राज्यपाल की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत की आलोचना करते हुए उन पर विधानसभा के इस वर्ष के पहले सत्र में सरकार का पूरा अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर ''संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन'' करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया।

मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट' में कहा कि यह बेहद खेदजनक है कि राज्यपाल सरकार का भाषण पूरा नहीं पढ़ने का विकल्प चुन रहे हैं जबकि संविधान इस बारे में स्पष्ट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियंक खरगे ने कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 176 के तहत राज्यपाल को वर्ष के पहले सत्र में विधानसभा को संबोधित करना होता है और यह अभिभाषण निर्वाचित सरकार का नीतिगत वक्तव्य होता है, न कि उनके व्यक्तिगत विचार। इसे मंत्रिमंडल तैयार करता है और संवैधानिक रूप से उनसे अपेक्षा की जाती है कि वह इसे निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्तुत करें।'' सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार संभाल रहे खरगे ने कहा कि पूरा भाषण नहीं पढ़ना अनुच्छेद 176 का उल्लंघन है और यह उस अनुच्छेद 163 के भी खिलाफ है जिसके तहत राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना होता है। उन्होंने कहा कि संबंधित अभिभाषण पूरी तरह तथ्यों पर आधारित है और कर्नाटक सरकार की आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है। खरगे ने कहा कि कर्नाटक को उसके हक के धन से वंचित किए जाने और सहकारी संघवाद के टूटने का मुद्दा मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के समक्ष बार-बार उठाया है। उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद सरकार ने संवैधानिक मर्यादा एवं पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए यह संदेश दिया कि अगर वास्तविक चिंताएं हैं तो भाषा में सीमित बदलाव पर विचार किया जा सकता है लेकिन पूरे हिस्से हटाने पर जोर देना स्वीकार्य नहीं है और यह कर्नाटक के लोगों के हितों के खिलाफ है।''

खरगे ने आरोप लगाया कि ''गहलोत की यह कार्रवाई पक्षपातपूर्ण हस्तक्षेप के अलावा कुछ नहीं है तथा यह राज्यपाल के पद की संवैधानिक भूमिका एवं निष्पक्षता को कमजोर करती है और इससे यह गंभीर सवाल उठता है कि वास्तव में फैसले कौन कर रहा है।'' सरकारी सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल केंद्र सरकार के विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' पर नकारात्मक टिप्पणियों से नाखुश थे। यह योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह शुरू की गई है।

सरकार ने अधिकारियों को निर्वाचित प्रतिनिधियों के फोन कॉल का जवाब देने का निर्देश दिया

बेंगलूरु। जनता की शिकायतों के निवारण के संबंध में अधिकारियों द्वारा विधायकों को जवाब न दिए जाने की शिकायतों को देखते हुए, कर्नाटक सरकार ने एक परिपत्र जारी किया है जिसमें अधिकारियों को तुरंत जवाब देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि अगर अधिकारी किसी कारणवश तुरंत जवाब न दे पाएं तो जल्द से जल्द संबंधित जनप्रतिनिधि से संवाद करें।

यह निर्देश कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी के 16 दिसंबर, 2025 के पत्र के बाद जारी किया गया है, जिसमें उन्होंने इस बात पर चिंता जताई थी कि कुछ अधिकारी सार्वजनिक शिकायतों के निवारण के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहे थे। बुधवार को जारी एक परिपत्र के अनुसार, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों के साथ-साथ सांसदों को भी राज्य के विभिन्न हिस्सों से जनता द्वारा उठाए गए मुद्दों के निवारण के लिए अक्सर अधिकारियों से संपर्क करने की आवश्यकता होती है। मुख्य सचिव शालिनी रजनीश द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है, मुझे यह जानकारी मिली है कि ऐसी परिस्थितियों में, ''कुछ अधिकारी जन प्रतिनिधियों द्वारा किए गए फोन कॉल का जवाब नहीं देते हैं। इसके अलावा, जब अधिकारी उस समय अन्य अत्यावश्यक कार्यों में व्यस्त होते हैं, तब वे बाद में शिष्टाचारवश भी वापस कॉल नहीं करते हैं।''

आरपीएसजी समूह उत्तरी कर्नाटक में 10,500 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

दावोस/बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरपीएसजी समूह राज्य के विजयपुरा और बल्लारी जिले में अगले तीन वर्ष में 10,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। राज्य सरकार इन निवेशों को सुगम बनाने के लिए सभी आवश्यक सहयोग देगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा पाटिल ने कहा कि ये निवेश राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा एवं औद्योगिक परिवेश को मजबूती देंगे।

उन्होंने बताया कि इनॉक्सजीएफएल समूह ने पहले ही कुस्तगी में 'पवन टरबाइन ब्लेड' का विनिर्माण शुरू कर दिया है। अब पास के एक स्थान पर बड़े पवन ऊर्जा टावर के विनिर्माण की इकाई स्थापित करने की योजना बना रहा है। समूह अब तक कर्नाटक में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश कर चुका है। मंत्री ने कहा कि रामकी समूह ने राज्य भर के केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्रों में 'कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट' (सीईटीपी) स्थापित करने में रुचि दिखाई है और फार्मा पार्क' की स्थापना को लेकर भी चर्चा हुई है। टेक महिंद्रा लिमिटेड ने छोटे शहरों में औद्योगिक निवेश करने में रुचि दिखाई है।

पाटिल ने कहा कि राज्य सिंगापुर स्थित कंपनियों से अधिक निवेश आकर्षित करने को इच्छुक है और सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत सिंगापुर आर्थिक विकास बोर्ड (ईडीबी) के साथ कर्नाटक में 'सिंगापुर पार्क' स्थापित करने पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और वैमानिकी क्षेत्रों में सिंगापुर के साथ सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। मंत्री ने बताया कि लेनोवो ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं एवं उद्यमियों के साथ साझेदारी पर चर्चा की है जबकि रक्षा क्षेत्र में काम करने वाली एक्सॉन केबल्स ने भारत में अपने विनिर्माण विस्तार का निर्णय लिया है और उसे कर्नाटक में निवेश पर विचार करने का निमंत्रण दिया गया है।

वैश्विक व्यापार एवं औद्योगिक बदलाव के अगले चरण के लिए कर्नाटक को तैयार करने के उद्देश्य से राज्य प्रतिनिधिमंडल ने बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के प्रबंध निदेशक निकोलस लैंग के साथ शुल्क, कृत्रिम मेधा (एआई) और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़ी रणनीतियों पर भी चर्चा की।

मंत्री ने कहा कि कई उद्योग समूहों ने परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की सराहना की है। बेंगलूरु से इतर शहरों को आत्मनिर्भर शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने के सरकार के ध्यान देने के अनुरूप टेक महिंद्रा ने छोटे शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में फिर से रुचि जताई है।

अभिभाषण पढ़ने से राज्यपाल का इनकार असंवैधानिक, प्रधानमंत्री खुद को 'वायसराय' मानते हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के विधानमंडल की बैठक के दौरान पूरा अभिभाषण नहीं पढ़ने को असंवैधानिक करार दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह खुद को ''भारत का वायसराय'' मानते हैं, जो दिल्ली से राज्य सरकारों को नियंत्रित करने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया। गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी खुद को भारत का वायसराय मानते हैं - जो दिल्ली से राज्य सरकारों को रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित करने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल करते हैं।

उनके लिए निराशा की बात यह है कि भारत में संविधान है जिसके तहत चुनी हुई राज्य सरकारें लोगों की इच्छा के अनुसार चलती हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल द्वारा विधानसभा में कैबिनेट-अनुमोदित भाषण पढ़ने से इनकार करना असंवैधानिक है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/162/2025
दिनांक: 24.11.2025 के लिए
शुद्धिपत्र-2
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) तुमकूरु-चित्रदुर्गा-दावणगेरे नई बीजी लाईन परियोजनाः इंजीनियरिंग, प्रोक्यूअरमेंट और निर्माण (ईपीसी) विधि अनुसार तावरकेरे (छोड़कर) और हिरियूर (छोड़कर) सिविल, सिग्नल व दूरसंचार, विद्युतीकरण और सामान्य इलेक्ट्रिकल कार्यों के साथ साथ चैनेज 66/400 और चैनेज 90/000 (23.60 किमी) के बीच नई ब्राड गेज लाईन का निर्माण। (2) तुमकूरु - चित्रदुर्गा-दावणगेरे नई बीजी लाईन परियोजनाः इंजीनियरिंग, प्रोक्यूअरमेंट और निर्माण (ईपीसी) विधि अनुसार हिरियूर (सहित) और पल्लवनहल्ली (सहित) सिविल, सिग्नल व दूरसंचार, विद्युतीकरण और सामान्य इलेक्ट्रिकल कार्यों के साथ साथ चैनेज 90/000 और चैनेज 130/375 (40.375 किमी) के बीच नई ब्राड गेज लाईन का निर्माण, इन कार्यों के संबंध में परियोजना रखरखाव सेवाओं को प्रदान करने के लिए अधिकृत इंजीनियर का नियुक्ती के लिए प्रस्तावन का अनुरोध (आरएफपी)। (निविदा संदर्भ सं.: PMS-TK-DVG-03)	रु. 14,41,74,192/-

अंतिम तिथि	
मौजूदा	संशोधित
20.01.2026 (15:00 बजे तक)	28.01.2026 (15:00 बजे तक)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/बेंगलूरु छावनी
PUB/837/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

'आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड' में 50 देश के विद्यार्थी लेंगे भाग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईआईएचएम) 1 फरवरी से 'आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड' के 12वें संस्करण की मेजबानी करेगा। इस संस्करण का उद्घाटन बेंगलूरु में व समापन 6 फरवरी को कोलकाता में होगा। 'आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड 2026' में 50 देशों के होटल मैनेजमेंट और पाक कला संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाद्वीपों के विद्यार्थी शेफ प्रतियोगिता की रसोई से परे देश का अनुभव करेंगे व भारतीय व्यंजनों, क्षेत्रीय सामग्रियों, पाक परंपराओं और स्थानीय सांस्कृतिक प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। ओलंपियाड का पहला चरण भारत के पांच शहरों में आयोजित होगा।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर 38.60 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त, एक यात्री गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने ब्राजील के साओ पाउलो से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 38.60 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर रोका गया था। आरोपी की पहचान उजागर नहीं की गई है। बेंगलूरु सीमा शुल्क ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 21 जनवरी को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर बेंगलूरु सीमा शुल्क के अधिकारियों ने साओ पाउलो से आए एक यात्री को पकड़ा और उसके कब्जे से 7.72 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत 38.60 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हवाई अड्डे पर दक्षिण कोरिया की महिला का यौन उत्पीड़न

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान दक्षिण कोरिया की एक महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक निजी एयरलाइन के संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मोहम्मद अफान अहमद (25) के रूप में हुई है। यह घटना 19 जनवरी को टर्मिनल-2 में उस समय हुई, जब महिला दक्षिण कोरिया जाने के लिए आव्रजन प्रक्रिया पूरी कर रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महिला के बैग से बीप की आवाज आने का दावा करते हुए नियमित जांच के बहाने उसे पुरुषों के शौचालय के पास एक स्थान पर ले गया जहां अन्य लोग नहीं थे।

भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग / DEPARTMENT OF SPACE
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन / INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र / SPACE APPLICATIONS CENTRE
अहमदाबाद / AHMEDABAD-380015

विज्ञापन सं./Advertisement No. : सैक SAC:01:2026: दिनांक/dated : 23.01.2026

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (सैक) अहं अभ्यर्थियों से सैक अहमदाबाद में वैज्ञानिक/अभियंता 'एसडी' के पद तथा सैक, अहमदाबाद, एनआरएससी, हैदराबाद, एनईसैक, मेघालय और वीएसएससी, तिरुवनंतपुरम में वैज्ञानिक/अभियंता 'एससी' के पद हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

वैज्ञानिक/अभियंता 'एसडी' के लिए आवेदन केवल इसरो लाइव पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ही लिए जाएंगे। अतः, अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे 12.02.2026 (1700 घंटे) तक या उससे पहले इसरो के केरियर टेब में लाइव पंजीयन पोर्टल https://www.isro.gov.in पर पंजीयन करें या अपना पंजीयन उद्यतन करें। लाइव पंजीकरण पोर्टल https://liveregister.isro.gov.in/LRClient से सीधे पहुंचा जा सकता है।

वैज्ञानिक/अभियंता 'एससी' के लिए: इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन और आवेदन के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए हमारी वेबसाइट https://www.sac.gov.in या https://careers.sac.gov.in देख सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन ही लिए जाएंगे। ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन आवेदन भरने और आवेदन शुल्क जमा करने के लिए साइट 23.01.2026 को 1000 बजे से 12.02.2026 को 1700 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

कोई भी परिशिष्ट/अद्यतन/शुद्धिपत्र केवल सैक वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। अभ्यर्थी नवीनतम अद्यतन सूचना हेतु सैक वेबसाइट www.sac.gov.in नियमित रूप से देखते रहें।

CBC 49107/11/0022/2526

सुविचार

रिश्ते की कदर भी पैसे की तरह करनी चाहिए दोनों कमाने मुश्किल है पर गवाने बहुत आसान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब साकार होगा नेताजी के सपनों का भारत?

हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद किया जाता है। उनके चित्रों और प्रतिमाओं पर मालाएं चढ़ाई जाती हैं। नेतागण उनके सम्मान में सोशल मीडिया पर कुछ पंक्तियां लिखते हैं। देशप्रेम की बातें की जाती हैं। इसके बाद सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। नेताजी के हृदय में त्याग, देशप्रेम, साहस, संघर्ष, बलिदान और देशवासियों के लिए सर्वस्व अर्पण करने की ज्वाला धधकती थी। उन्होंने हमें आजादी दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन दे दिया था। अगर आज हम उन्हें याद करते हैं तो इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि क्या नेताजी का सपना साकार हुआ? क्या हम वैसा भारत बना पाए, जैसा नेताजी चाहते थे? उनके चित्र या प्रतिमा पर माला चढ़ा देना काफी नहीं है। खासकर वर्तमान नेताओं को उनके जीवन एवं दर्शन से जरूर प्रेरणा लेनी चाहिए। नेताजी जातिवाद, भाषावाद, प्रांतवाद और सांप्रदायिकता के घोर विरोधी थे। वे भारत को एकता के सूत्र में जोड़कर महाशक्ति बनाना चाहते थे। उनके भाषण पढ़-सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। नेताजी ने चरित्र निर्माण पर बहुत जोर दिया था। तब मोबाइल फोन और इंटरनेट का ज़माना नहीं था, लेकिन अश्लील साहित्य बिकता था। नशाखोरी का भी बोलबाला था। अंग्रेज चाहते थे कि भारत के लोग इन्हीं बुराइयों में फंसे रहें। नेताजी ने देशवासियों को इन बुराइयों से सावधान किया था। उन्होंने युवाओं को रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद जैसे महापुरुषों का साहित्य पढ़ने की सलाह दी थी। उन्होंने स्वास्थ्य की रक्षा, मानसिक दृढ़ता और अनुशासन सीखने का आह्वान किया था।

नेताजी का वह आह्वान आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। अगर देश को और मजबूत बनाना है तो चरित्र को मजबूत बनाना होगा। युवाओं को चाहिए कि वे इंटरनेट के जरिए परोसी जा रही अभद्र सामग्री से दूर रहें। सोशल मीडिया से सिर्फ उपयोगी जानकारी लें। इस पर अपना समय बर्बाद न करें। शराब, खैनी, गुटखा, सिगरेट, बीड़ी, ड्रग्स आदि को अपने जीवन का हिस्सा कभी न बनाएं। इन पदार्थों की बढ़ती खपत चिंता की बात है। दीपावली, नया साल, होली और अन्य विशेष अवसर हमें किसी अच्छे काम की शुरुआत करने की प्रेरणा देते हैं। कई लोग उस दिन भी नशा करते हैं। अगर नशे के गुलाम रहेंगे तो आजादी की रक्षा कैसे करेंगे? नेताजी ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व करते हुए दुनिया को दिखा दिया था कि भारत में सभी जातियों और समुदायों के लोग बहुत प्रेम एवं सद्भावपूर्वक रह सकते हैं। यहां जो झगड़े पैदा किए गए, वे विदेशी आक्रांताओं की देन थे। विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। राष्ट्रवाद की डोर हम सबको एकजुट करती है। नेताजी स्वदेशी उद्योगों के समर्थक थे। वे चाहते थे कि भारत में बड़े और लघु, दोनों तरह के उद्योग पनपें। उन्होंने युवाओं से कहा था कि वे उद्योगों में रुचि लें। आजादी के इतने साल बाद भी भारत में बेरोजगारी है तो इससे पता चलता है कि हमने उनके आह्वान पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। नेताजी सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता के नहीं, मानसिक स्वतंत्रता के भी पक्षधर थे। उन्होंने अंधविश्वासों, कुप्रथाओं और मानवता विरोधी रिवाजों का विरोध किया था। उनका मानना था कि लोगों को ब्रिटिश गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के साथ उन मानसिक बेड़ियों को तोड़ने की जरूरत है, जो हमारे पतन की वजह बनी थीं। वे बेड़ियां आज भी मौजूद हैं। देश में ऐसे स्वार्थी तत्त्वों की कमी नहीं है, जो अपने फायदे के लिए लोगों को आपस में लड़ाते-भिड़ाते रहते हैं। जो व्यक्ति उनके बहकावे में न आकर राष्ट्रीय एकता पर जोर देता है, वह नेताजी के सपनों के भारत को साकार करता है।

ट्वीटर टॉक

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा दिवस के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह ऐतिहासिक और अद्वितीय क्षण हमारी सांस्कृतिक आस्था, सनातन परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का उत्सव है। श्री राम मंदिर सदैव सत्य, एकता और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों का प्रेरणास्रोत बना रहे।

-वसुंधरा राजे

सदियों पहले प्रभु श्रीराम ने जिस रीति आज वही मूल्य भारतीय राजनीति में भाजपा की कार्य-पद्धति में दिखाई देते हैं। भाजपा, व्यक्ति नहीं, विचारों पर आधारित पार्टी है, जहां नेतृत्व पद से नहीं, प्रक्रिया से जन्म लेता है। यही विशेषता भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाती है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह में हुए सड़क हादसे में माँ भारती के वीर सपूतों के शहीद होने का समाचार अत्यंत हृदयविदारक एवं पीड़ादायक है। इस दुखद घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

करुणा-अनुशासन से सेवा

क्रीमिया युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिक बड़ी संख्या में बीमार पड़ रहे थे। युद्ध से अधिक मौतें गंदगी, संक्रमण और अव्यवस्थित अस्पतालों के कारण हो रही थीं। सरकार और सैन्य अधिकारी इसे युद्ध की अपरिहार्य क्षति मानकर अनदेखा कर रहे थे। जब फ्लोरेंस नाइटिंगेल वहां पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि घायल सैनिक गंदे कमरों में पड़े हैं, साफ पानी और उचित भोजन तक उपलब्ध नहीं है। फ्लोरेंस ने सबसे पहले सफाई पर ध्यान दिया। रात-दिन स्वयं दीपक लेकर वार्डों में घूमतीं, सैनिकों की देखभाल करतीं और नर्सों को अनुशासन सिखातीं। उन्होंने नालियों की सफाई, स्वच्छ बिस्तर और स्वच्छ भोजन की व्यवस्था करवाई। प्रारंभ में उनका विरोध हुआ, लेकिन वे अपने उद्देश्य पर अडिग रहीं। कुछ ही समय बाद मृत्यु दर में आश्चर्यजनक रूप से कमी आई। सैनिकों के मनोबल में वृद्धि हुई और अस्पतालों का वातावरण बदल गया। जो अधिकारी पहले उन्हें अव्यावहारिक मानते थे, वही अब उनके निर्णयों का अनुसरण करने लगे। एक बार किसी ने उनसे पूछा कि वे इतनी कठिन परिस्थितियों में भी थकती क्यों नहीं। फ्लोरेंस ने उत्तर दिया, 'जब किसी का दर्द आपकी जिम्मेदारी बन जाए, तब थकान स्वयं पीछे हट जाती है।

सामयिक

यह भी विचारणीय है कि माँ सरस्वती का दर्शन भारतीय दर्शन में केवल देवी-पूजा तक सीमित नहीं है। सरस्वती ज्ञान की धारा हैं, जो मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती हैं। उनका वाहन हंस विवेक का प्रतीक है, जो दूध और पानी को अलग कर सकता है। ऐसे में यदि हम सरस्वती पूजा के नाम पर अविवेक, उन्माद और अराजकता को बढ़ावा देते हैं, तो यह स्वयं देवी के प्रतीकात्मक संदेश का अपमान है। यह विरोधाभास हमारी सोच और आचरण के बीच बढ़ती दूरी को उजागर करता है।

सरस्वती पूजा : परंपरा, आधुनिकता और मूल्यों के बीच संघर्ष

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मोबाइल : 9955818270

सरस्वती पूजा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का एक अत्यंत पवित्र, सूक्ष्म और अर्थपूर्ण पर्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय चेतना में रची-बसी उस जीवन-दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें ज्ञान, विवेक, वाणी, कला और संस्कार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। माँ सरस्वती को श्वेत वस्त्रों में विराजमान, शांत, सौम्य और करुणामयी देवी के रूप में देखा गया है, जिनके एक हाथ में वीणा है, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में माला और चौथे में वर मुद्रा। यह स्वरूप स्वयं यह संदेश देता है कि जीवन में ज्ञान का संगीत, अध्ययन की निरंतरता, साधना का अनुशासन और विवेकपूर्ण आचरण कितना आवश्यक है। बसंत पंचमी के दिन मनाई जाने वाली सरस्वती पूजा का संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है, जब प्रकृति नवजीवन से भर उठती है और मानव मन भी सृजन, अध्ययन और आत्मविकास की ओर प्रवृत्त होता है।

परंपरागत रूप से सरस्वती पूजा का वातावरण अत्यंत शांत, मर्यादित और सात्त्विक रहा है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, गुरुकुलों और घरों में इस दिन पुस्तकों, कॉपियों, कलम, वाद्य यंत्रों और कला से जुड़े उपकरणों की पूजा की जाती रही है। विद्यार्थी माँ सरस्वती से केवल परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि सही विवेक, एकाग्रता और सद्बुद्धि की कामना करते रहे हैं। भजन, श्लोक, वंदना और मधुर संगीत के माध्यम से ऐसा वातावरण बनाया जाता था, जिसमें मन स्वतः ही शांति और अनुशासन की ओर झुक जाता था। यह पर्व जीवन में यह बोध कराता था कि विद्या केवल रोज़गार का साधन नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्ति है। किन्तु वर्तमान समय में सरस्वती पूजा के स्वरूप में जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह गहरी चिंता का विषय है। कई स्थानों पर यह पवित्र पर्व अब शोर, प्रदर्शन और उन्माद का पर्याय बनता जा रहा है। तेज़ डीजे, कानफोड़ आर्केस्ट्रा, फिल्मी और अश्लील गीत, तथा उन्मादी नृत्य पूजा की मूल भावना को पूरी तरह से विकृत कर रहे हैं। विद्या की देवी, जिनका स्वरूप ही शांति और संयम का प्रतीक है, उन्हीं के नाम पर जब अश्लीलता, अभद्रता और अनुशासनहीनता परोसी जाती है, तो यह केवल धार्मिक भावना को आहत करने का मामला नहीं रह जाता, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना के पतन का स्पष्ट संकेत बन जाता है।

इस विकृति का एक बड़ा कारण धार्मिक आयोजनों का सामाजिक दिखावे और प्रतिस्पर्धा में बदल जाना है। आज पूजा समितियों के बीच यह होड़ देखी जाती है कि कौन बड़ा पंडाल लगाएगा, किसका साउंड सिस्टम सबसे ज़्यादा तेज़ होगा और किसकी भीड़ सबसे अधिक होगी। श्रद्धा का स्थान प्रदर्शन ने ले लिया है और साधना का स्थान शोर ने। ऐसे में पूजा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और आयोजन केवल मनोरंजन या शक्ति प्रदर्शन का मंच बनकर रह जाता है। इस माहौल में युवा वर्ग, जो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा और उत्साह से भरा होता है, अक्सर बहक जाता है और मर्यादा की सीमाएँ टूटने लगती हैं।

जब धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और स्पष्ट दिशा का अभाव होता है, तब सामाजिक अव्यवस्था जन्म लेती है। तेज़ संगीत, नशे का सेवन, उकसाने वाले गीत और भीड़ का उन्माद मिलकर कई बार झगड़े, मारपीट और हिंसा तक की स्थिति पैदा कर देते हैं। सरस्वती पूजा जैसे शैक्षिक और सांस्कृतिक पर्व पर यदि ऐसी घटनाएँ घटित हों, तो यह समाज के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक संकट भी है, जो धीरे-धीरे समाज की जड़ों को खोखला करता है। इस स्थिति का सबसे गंभीर प्रभाव बच्चों और विद्यार्थियों पर पड़ता है। सरस्वती पूजा का पर्व उनके लिए विद्या, अनुशासन और संस्कार सीखने का अवसर होना चाहिए, परंतु जब वे देखते हैं कि इसी पर्व पर शोर, अश्लीलता और झगड़े हो रहे हैं, तो उनके मन में पूजा और परंपरा के प्रति सम्मान कम होने लगता है। वे यह सीखते हैं कि धार्मिक आयोजन भी केवल मनोरंजन और उन्माद का साधन हैं। यह सोच आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण के लिए अत्यंत घातक हो सकती है, क्योंकि संस्कार वही स्थायी होते हैं, जो बचपन और किशोरावस्था में मन में बैठ जाते हैं।

यह भी विचारणीय है कि माँ सरस्वती का दर्शन भारतीय दर्शन में केवल देवी-पूजा तक सीमित नहीं है। सरस्वती ज्ञान की धारा हैं, जो मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती हैं। उनका वाहन हंस विवेक का प्रतीक है, जो दूध और पानी को अलग कर सकता है। ऐसे में यदि हम सरस्वती पूजा के नाम पर अविवेक, उन्माद और अराजकता को बढ़ावा देते हैं, तो यह स्वयं देवी के प्रतीकात्मक संदेश का अपमान है। यह विरोधाभास हमारी सोच और आचरण के बीच बढ़ती दूरी को उजागर करता है। इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक सख्ती से संभव नहीं है। यद्यपि ध्वनि प्रदूषण और कानून-व्यवस्था को लेकर नियम आवश्यक हैं, परंतु वास्तविक परिवर्तन सामाजिक जागरूकता और सामूहिक आत्ममंथन से ही आएगा। पूजा समितियों को यह समझना होगा कि उनका दायित्व केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना भी है। शिक्षकों, अभिभावकों और बुद्धिजीवियों को आगे आकर यह संवाद शुरू करना होगा कि धार्मिक पर्वों का स्वरूप कैसा होना चाहिए और उनकी सीमाएँ क्या हैं।

सरस्वती पूजा को फिर से ज्ञान और संस्कृति का उत्सव बनाया जा सकता है। इस अवसर पर कवि गोष्ठियाँ, पुस्तक प्रदर्शनियाँ, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, शास्त्रीय संगीत, लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और शैक्षिक संवाद आयोजित किए जा सकते हैं। ऐसे कार्यक्रम न केवल पूजा की गरिमा बनाए रखते हैं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा भी देते हैं।

जब युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में लगाते हैं, तो उन्माद और हिंसा की संभावनाएँ स्वतः कम हो जाती हैं। युवाओं को यह समझाना भी आवश्यक है कि सच्चा उत्सव शोर और अश्लीलता में नहीं, बल्कि मर्यादा, अनुशासन और सौंदर्यबोध में निहित होता है। जीवन में आनंद और उल्लास का स्थान अवश्य है, परंतु हर अवसर की अपनी प्रकृति और सीमा होती है। सरस्वती पूजा का स्वभाव शांत, सात्त्विक और चिंतनशील है। यदि हम इस स्वभाव को समझेंगे और स्वीकार करेंगे, तभी यह पर्व हमें भीतर से समृद्ध कर पाएगा।

अब यह प्रश्न केवल सरस्वती पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक दिशा और सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ है। यदि विद्या की देवी के नाम पर ही अविवेक और अराजकता को बढ़ावा दिया जाएगा, तो समाज ज्ञान, विवेक और संस्कार की ओर कैसे अग्रसर होगा। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आधुनिक साधनों का उपयोग हो, परंतु मूल भाव और मर्यादा सुरक्षित रहें। सरस्वती पूजा का मूल भाव शांति, ज्ञान और संयम है, और जब हम इस भाव को अपने आचरण में उतारेंगे, तभी यह पर्व अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा और समाज को सही दिशा देने में सक्षम होगा।

नजरिया

बसंतोत्सव : माँ सरस्वती की पूजा और ऋतुराज बसंत का आगमन

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

बसंत पंचमी भारतीय जीवन-दृष्टि का ऐसा पर्व है, जो धर्म, संस्कृति, प्रकृति और समाज-चारों को एक ही सूत्र में पिरो देता है। यह त्योहार केवल पंचांग की एक तिथि नहीं है, बल्कि मौसम के बदलाव, मनुष्य की चेतना के जागरण और ज्ञान की आराधना का प्रतीक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला यह पर्व ठंड की विदाई और बसंत के आगमन का उद्घोष करता है। जैसे ही धरती पर सरसों के पीले फूल खिलते हैं, वैसे ही मनुष्य के भीतर भी आशा, उल्लास और सृजन की चेतना जाग उठती है। भारतीय परंपरा में बसंत को 'ऋतुराज' कहा गया है, क्योंकि यह वह ऋतु है जो प्रकृति को उसके सबसे सुंदर और जीवंत रूप में सामने लाती है।

इस दिन मां सरस्वती की पूजा का विशेष महत्व है। सरस्वती केवल विद्या की देवी नहीं हैं, बल्कि विवेक, संवेदना, कला और भाषा की अधिष्ठात्री भी हैं। उनका श्वेत वस्त्र, शांत स्वरूप और वीणा इस बात का संकेत है कि ज्ञान केवल संग्रह नहीं, बल्कि शुद्धता, संतुलन और सौंदर्य का समन्वय है। बसंत पंचमी हमें याद दिलाती है कि सच्ची शिक्षा वही है, जो मनुष्य को मानवीय बनाए, उसे प्रश्न पूछने की क्षमता दे और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाए। आज जब शिक्षा केवल अंक, डिग्री और प्रतिस्पर्धा तक सिमटती जा रही है, तब सरस्वती की आराधना का यह पर्व हमें शिक्षा के मूल उद्देश्य की ओर लौटने का अवसर देता है।

भारतीय समाज में पीले रंग का गहरा सांस्कृतिक अर्थ है। बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र पहनना, पीले फूलों से पूजा करना और पीले व्यंजन बनाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करने का तरीका है। पीला

रंग ऊर्जा, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक है। यह रंग हमें याद दिलाता है कि जीवन में उजास बनाए रखना कितना आवश्यक है। आज के तनावपूर्ण और अवसादग्रस्त समय में, ऐसे प्रतीकात्मक पर्व मनुष्य के मनोविज्ञान पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

इस पर्व से जुड़ा अक्षरारंभ या विद्यारंभ संस्कार विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। छोटे बच्चों को पहली बार अक्षर ज्ञान देना इस बात का संकेत है कि भारतीय परंपरा में शिक्षा को जीवन की नींव माना गया है। यह संस्कार केवल बच्चे के लिए नहीं, बल्कि माता-पिता और समाज के लिए भी एक जिम्मेदारी का बोध कराता है कि वे ज्ञान के मार्ग को सम्मान दें। पुस्तकों और कलम की पूजा इस भावना को और गहरा करती है कि ज्ञान साधना है, उपभोग की वस्तु नहीं। आज जब डिजिटल युग में किताबों का स्थान स्क्रीन लेती जा रही है, तब बसंत पंचमी हमें पढ़ने, सोचने और गहराई से समझने की संस्कृति को पुनर्जीवित करने की प्रेरणा देती है।

बसंत पंचमी की खूबी यह भी है कि यह भारत की विविधता को एक उत्सव में समेट लेती है। पंजाब में यह पतंगों के रंगीन आकाश के रूप में दिखाई देती है, तो बंगाल में पुष्पांजलि और सांस्कृतिक अनुष्ठानों के रूप में। कहीं यह संगीत और नृत्य का पर्व है, तो कहीं शिक्षा और साधना का। यह विविधता ही भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जहाँ अलग-अलग परंपराएँ एक-दूसरे से टकराती नहीं, बल्कि मिलकर एक बड़ा सांस्कृतिक कैनवास रचती हैं। बसंत पंचमी इस दृष्टि से राष्ट्रीय एकता का भी पर्व है, जो बिना किसी राजनीतिक नारे के, सहज रूप से लोगों को जोड़ता है।

यह पर्व प्रकृति और मनुष्य के रिश्ते को भी नए सिरे से परिभाषित करता है। बसंत का आगमन किसानों के लिए आशा लेकर आता है, क्योंकि फसलें लहलहाने लगती हैं। यह समय श्रम के फल को देखने का होता है। ऐसे में बसंत पंचमी केवल शहरी या धार्मिक पर्व नहीं रह जाता, बल्कि ग्रामीण जीवन से भी गहराई से जुड़ जाता है। प्रकृति के इस चक्र को समझना और उसका सम्मान करना आज के पर्यावरणीय संकट के दौर में और भी आवश्यक हो गया है। बसंत पंचमी हमें यह सिखाती है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य ही टिकाऊ भविष्य की कुंजी है।

आज के सामाजिक संदर्भ में बसंत पंचमी का संदेश और भी व्यापक हो जाता है। यह पर्व अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक है। लेकिन यह ज्ञान केवल पुस्तकीय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी होना चाहिए। जाति, लिंग, वर्ग और भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव के बीच सरस्वती की उपासना हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करती है कि क्या हमारा ज्ञान हमें अधिक संवेदनशील बना रहा है या केवल अधिक चालाक। सच्ची विद्या वही है, जो अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस दे।

अंततः बसंत पंचमी जीवन के उत्सव का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि हर ठंड के बाद बसंत आता है, हर जड़ता के बाद सृजन संभव है और हर अंधकार के बाद प्रकाश। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि ज्ञान, प्रकृति और संस्कृति-तीनों का संतुलन ही एक स्वस्थ समाज की नींव है। यदि हम इस संतुलन को समझ सकें और अपने जीवन में उतार सकें, तो बसंत पंचमी केवल एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार बन सकती है, जो पूरे वर्ष हमारे साथ चलता रहे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उद्घाटन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में 49वें इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर का उद्घाटन किया।

जर्मन चांसलर ने भारत-ईयू समझौते पर कहा, 'महाशक्तियों' के लिए यह साथ आने का अवसर

दावोस/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'महाशक्तियों का युग' संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के बजाय नियम-आधारित व्यवस्था एवं मुक्त व्यापार का समर्थन करने वाले देशों के लिए एक अवसर है।

मर्ज ने यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोप उच्च आर्थिक वृद्धि चाहता है और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत जाएंगी, जहां भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सिद्धांतों को अंतिम रूप दिया जाएगा। मर्ज ने कहा, एक सप्ताह पहले मैं भारत में था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य उन देशों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है जो मनमाने फैसलों के बजाय नियमों को प्राथमिकता देते हैं और संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के स्थान पर मुक्त व्यापार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में यूरोपीय संघ नए साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है।मर्ज ने मेक्सिको एवं इंडोनेशिया के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिए जाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

इससे पहले मंगलवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लिएन ने कहा था कि यूरोपीय संघ भारत के साथ एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते के करीब है, जिसे 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' कहा जा रहा है। उन्होंने कहा था कि यह समझौता करीब दो अरब लोगों का बाजार तैयार करेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक-चौथाई होगा। लिएन के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा 25 से 27 जनवरी तक भारत दौरे पर रहेंगे। वे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करेंगे।

भारत-यूरोपीय संघ के 27 जनवरी को होने वाले शिखर सम्मेलन में मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी होने की घोषणा की जा सकती है। प्रस्तावित समझौते से ऐसे समय में भारत-ईयू के समग्र द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति के चलते वैश्विक व्यापार में व्यापक व्यवधान देखने को मिल रहा है।

इंडोनेशिया के सुलावेसी में खोजी गई मानवता की सबसे पुरानी ज्ञात गुफा कला

मेलबर्न/भाषा। एक नए शोध में पता चला है कि इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर पाए गए गुफा चित्र मानवता की अब तक की सबसे पुरानी ज्ञात गुफा कला हैं। यह खोज यूरोप में पाए जाने वाले फ्रांस और स्पेन के प्रसिद्ध गुफा चित्रों से हजारों साल पहले की कला का सबूत देती है। 'नेचर' जर्नल में आज प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि पूर्वी इंडोनेशिया में रहने वाले लोग अब तक सोचे गए समय से कहीं पहले पत्थर पर चित्र बना रहे थे। ये कलाकार न केवल विश्व के शुरुआती चित्रकारों में शामिल थे, बल्कि संभवतः उन आबादियों का हिस्सा थे जो बाद में ऑस्ट्रेलिया और पापुआ के आदिवासी पूर्वजों के तौर पर विकसित हुईं।

सुलावेसी की चूना-पत्थर की गुफाओं में लाल रंग के हाथ से बनाए गए स्टेंसिल पाए गए हैं, जो पत्थर पर दबा कर रखे गए हाथ पर रंग को फूंककर डालते हुए बनाये गए थे। यूरेनियम के सूक्ष्म विश्लेषण से चित्रों के बनने का समय कम से कम 67,800 वर्ष पुराना पाया गया, जिससे यह पूरी दुनिया की अब तक की सबसे पुरानी, सुरक्षित रूप से जांची गई गुफा कला बन गई। यह क्षेत्रीय चित्रों से 15,000 वर्ष और फ्रांस के सबसे पुराने गुफा चित्रों से 30,000 वर्ष पुराना है।

एक हाथ का स्टेंसिल विशेष है क्योंकि यह शैली केवल सुलावेसी में ही देखने को मिली और पाई गई। इसकी उंगलियों के छोरों को जानवरों के पंजे जैसी आकृति दी गई थी जिससे प्रतीत होता है कि इस कला का प्रतीकात्मक अर्थ संभवतः मानव और पशु संबंधों के बारे में प्राचीन समझ से जुड़ा था। इससे पहले सुलावेसी में पक्षी जैसे सिर वाले मानव चित्र और अन्य पशु-संरचना वाले चित्र भी पाए गए थे, जो कम से कम 48,000 वर्ष पुराने थे। शोध से यह भी पता चलता है कि पत्थरों की इन गुफाओं में चित्रकला एक लंबी अवधि तक जारी रही, करीब 20,000 वर्ष पहले आखिरी हिम युग तक। बाद में लगभग 4,000 वर्ष पहले इंडोनेशिया के पहले किसान, ऑस्ट्रोनीशियन भाषी लोग इस इलाके में आए और पुराने चित्रों के ऊपर उन्होंने अपनी कल्पना को आकार दिया। शोध से यह भी संकेत मिलता है कि इन चित्रों को बनाने वाले लोग संभवतः उन आबादी का हिस्सा थे, जिन्होंने समुद्र पार किया, ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी पहुंचे तथा बस गए। इन लोगों को आधुनिक आदिवासी ऑस्ट्रेलियाई लोगों के पूर्वज के तौर पर जाना जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज दिखाती है कि प्रारंभिक मानव की रचनात्मकता केवल यूरोप तक सीमित नहीं थी, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में भी प्रतीकात्मक व्यवहार, कला और सामाजिक पहचान की जटिल समझ पहले से मौजूद थी। यह खोज मानव संस्कृति की उत्पत्ति और प्रारंभिक रचनात्मकता के भूगोल को पुनर्विचार करने का संकेत देती है और बताती है कि इंडोनेशिया और आसपास के द्वीपों में और भी प्राचीन कला की खोज हो सकती है।

हम भारत में नहीं खेलेंगे लेकिन फिर भी आईसीसी से न्याय की उम्मीद है : बांग्लादेश

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए बृहस्पतिवार को अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम भेजने से मना कर दिया जिससे स्कॉटलैंड के लिए टूर्नामेंट में उसकी जगह लेने का रास्ता साफ हो गया क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी मैच के स्थल बदलने की मांग को खारिज कर दिया था।

विश्व संस्था ने बुधवार को बांग्लादेश को अल्टीमेटम दिया था कि या तो वह भारत जाने के लिए सहमत हो या फिर उनकी जगह किसी और टीम को ले लिया जाएगा। आईसीसी ने कहा कि भारत में उनके खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। बांग्लादेश को बृहस्पतिवार तक फैसला लेने का समय दिया गया था।

हालांकि एक कड़ा रुख अपनाते हुए बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि आईसीसी का रुख उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

नजरुल ने कहा, ''हालांकि हमारे क्रिकेटरों ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का खतरा अब भी बना हुआ है। यह चिंता किसी काल्पनिक विश्लेषण पर आधारित नहीं है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम अब भी उम्मीद नहीं छोड़ रहे हैं। हमारी टीम तैयार है। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमारे वास्तविक सुरक्षा जोखिमों पर विचार करके हमें श्रीलंका में खेलने की इजाजत देकर न्याय करेगा।''

बांग्लादेश को भारत में चार मैच (तीन कोलकाता में और एक मुंबई में)खेलने हैं। देश ने सुरक्षा चिंताओं को तब उठाया जब तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों पर 'चारों ओर हो रहे घटनाक्रमों' के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर कर दिया गया था।

'स्प्लिट्सविला' के सेट पर बड़े हुए मेरे तीनों बच्चे : सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

सिनेमा जगत में कई सितारे अपने बच्चों को काम के करीब रखते हैं ताकि वे अपने माता-पिता की दुनिया को समझ सकें और जीवन के अनुभवों को जल्दी सीख सकें। सनी लियोनी भी यही तरीका आजमाती हैं।

आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उनके तीनों बच्चे 'स्प्लिट्सविला' के सेट पर बड़े हुए हैं और उनके लिए यह अनुभव काफी सीखने वाला रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए सनी लियोनी ने कहा, ''मेरे बच्चे शुरू से ही 'स्प्लिट्सविला' के सेट पर आते रहे हैं। बच्चों ने इस शो के सेट पर लगभग सात साल बिताए हैं। उन्होंने शो के काम और शूटिंग की प्रक्रिया को नजदीक से देखा है। पूरी टीम मेरे बच्चों को जानती है।'' सनी ने कहा, ''मेरे बच्चों के लिए यह अनुभव बहुत खास रहा है। मेरे पास कई तस्वीरें हैं, जिनमें बच्चे सेट पर स्विमिंग पूल में खेल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि बच्चों के शो देखने में कोई गलत बात है। बच्चों ने छोटी-छोटी बातें नोट की, जैसे किसी ने नियम क्यों तोड़े, या किसी ने धोखा क्यों दिया। वे समझ गए हैं कि गेम में लोग जीतने के लिए ऐसा करते हैं।''

सनी ने आगे कहा, ''पहले बच्चों को शो की चीजें समझ में नहीं आती थीं, फिर मैं उन्हें सरल शब्दों में समझाती थी। बच्चों ने धीरे-धीरे सीखना शुरू किया और अब वे शो के चैलेंज को देखकर मजा लेते हैं और टास्क को समझने की कोशिश करते हैं।

वे पूरा शो नहीं देखते, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा हिस्से ही देख पाते हैं। देर रात होने वाली शूटिंग में वे सोने चले जाते हैं।'' सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने 2011 में शादी की थी। कपल के तीन बच्चे हैं: बेटी निशा कौर वेबर, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह और अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे।

नेहा धूपिया ने सेहतमंद रहने का साझा किया मंत्र, 'रोज की छोटी-छोटी आदतों पर दें ध्यान'

मुंबई/एजेन्सी

आज के दौर में फिटनेस और वेलनेस के नाम पर हर दिन कोई नया ट्रेंड, डाइट, या चैलेंज सामने आता है। ऐसे में लोग अक्सर उलझन में पड़ जाते हैं कि आखिर सही क्या है और गलत क्या। सोशल मीडिया पर दिखने वाली परफेक्ट बॉडी और इंस्टेंट रिजल्ट देने वाले दावे लोगों पर अनजाने में दबाव बना देते हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने आईएएनएस से बात करते हुए वेलनेस को लेकर एक अलग सोच सामने रखी है। उनका मानना है कि अच्छी सेहत किसी जादू या शॉर्टकट से नहीं, बल्कि रोज की छोटी-छोटी आदतों से बनती है। आईएएनएस से बात करते हुए नेहा धूपिया ने कहा, ''अच्छी सेहत से जुड़ी चुनौतियां टिकाऊ तरीकों पर आधारित होती हैं। मैं उन उपायों को अपनाने में भरोसा रखती हूं जो मैंने खुद अपनी जिंदगी में आजमाए हैं। सेहत को लेकर जल्दबाजी या परफेक्शन की दौड़ नुकसानदेह हो सकती है, इसलिए रोज की छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।'' नेहा ने कहा, ''मेरे एंटी-इन्फ्लेमेशन चैलेंज जैसे प्रयासों का मकसद लोगों को छोटे, लेकिन असरदार कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। इन चैलेंजों का उद्देश्य किसी को परफेक्ट बनाना नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तैयार करना है, ताकि व्यक्ति अपनी सेहत को लेकर जिम्मेदारी भरे फैसले ले सके। जब हम किसी अच्छी आदत को लगातार अपनाते हैं, तो वही आदत धीरे-धीरे हमारी लाइफस्टाइल बन जाती है।''

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंटस कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री ने टेलीविजन में 2612 से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने रश्मि भार्गव का किरदार निभाया था, लेकिन उन्हें असली पहचान कलर्स टीवी के शो स्वरागिनी में रागिनी के किरदार से मिली थी। इसके बाद 2018 में वे कर्ण संगिनी और सिलसिला बदलते रिश्तों का में भी नजर आईं।

तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था।

दरअसल, इस सीरियल में दिया सिंह की शादी एक छोटे बच्चे से होती दिखाई जाती है और वे उसकी रक्षा का जिम्मा उठाती हैं। फिर अभिनेत्री ने रियलिटी शो जैसे खतरों के खिलाड़ी 10 और बिग बॉस 15 (जिसकी वह विजेता बनीं) में काम किया और उसके बाद वह नागिन 6 में नजर आई थी। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने रोहित शेट्टी की मराठी फिल्म स्कूल कॉलेज आनी लाइफ से मराठी सिनेमा में डेब्यू किया।

रामगोपाल वर्मा ने दिया स्पष्टीकरण, रहमान को बताया महान संगीतकार

नई दिल्ली/भाषा

फिल्मकार रामगोपाल वर्मा ने संगीतकार ए आर रहमान को अच्छा इंसान बताते हुए बुधवार को स्पष्ट किया कि एक पुराने साक्षात्कार के जरिए उनके बयान को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस साक्षात्कार में वह इस बारे में बात कर रहे हैं कि कैसे रहमान ने ऑस्कर विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर का गीत जय हो तैयार किया था। रहमान को 'बीबीसी एशियन नेटवर्क' के एक साक्षात्कार में यह कहने पर आलोचना झेलनी पड़ी कि पिछले आठ साल में हिंदी सिनेमा में उनके पास काम कम हो गया है। उन्होंने इसका कारण इंडस्ट्री की सोच में आए बदलाव को बताया और यह भी संकेत दिया कि ऐसा शायद ''साम्प्रदायिक कारणों' से भी हो सकता है। सोशल मीडिया पर वर्मा के पुराने साक्षात्कार का एक क्लिप प्रसारित हुआ है, जिसमें ऐसा लगता है कि उन्होंने संकेत दिया कि रहमान ने जय हो नहीं बनाया, और गायक सुखविंदर सिंह ने इस गाने के संगीत के साथ-साथ अपनी आवाज़ भी दी।

यह वीडियो 'एक्स' पर ट्रेंड करने के बीच वर्मा ने एक पोस्ट साझा कर कहा कि उनका गलत उद्धरण दिया जा रहा है। फिल्मकार ने लिखा, ''सभी संबंधित लोगों के लिए.. मुझे 'जय हो' गाने के मामले में गलत तरीके से उद्धृत किया जा रहा। मेरी राय में ए आर रहमान सबसे बड़े संगीतकार और सबसे अच्छे इंसान हैं जिनसे मैं मिला हूं, और वह आखिरी व्यक्ति होंगे जो किसी का श्रेय छीनेंगे। मुझे उम्मीद है कि इस बयान से सारी नकारात्मकता खत्म हो जानी चाहिए।वर्मा ने यह भी कहा कि उनकी फिल्म 'रंगीला' में रहमान ने शानदार संगीत दिया था।छोटे से वीडियो क्लिप में, वर्मा एक घटना का वर्णन करते हैं जब रहमान ने फिल्मकार सुभाष घई की 2008 में आई फिल्म युवराज पर काम किया था। इसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया था।वर्मा ने कहा, ''रहमान देरी के लिए जाने जाते हैं। सुभाष घई ने रहमान को संदेश भेजा। उन्होंने कहा 'मेरे पास सलमान खान और कैटरीना कैफ के लिए तारीखें हैं। मेरे पास पूरा सेट है। अगर आप मुझे गाने नहीं देंगे तो क्या होगा?' उन्होंने रहमान को बहुत ही तीखा पत्र भेजा, उस समय वह लंदन में थे। तो रहमान ने फोन किया और कहा 'मैं मुंबई आऊंगा। मुंबई में सुखविंदर सिंह स्टूडियो आइए। मैं वहां आकर आपका गाना गाऊंगा।'' वर्मा ने बताया कि इसके दो दिन बाद तीनों सिंह के स्टूडियो में मिले। वर्मा ने कहा, रहमान आए और सुभाष घई के सामने ही सुखविंदर से पूछा, 'क्या आपने संगीत दिया है?' सुखविंदर ने हां कहा और एक गाना सुनाया। रहमान ने कहा कि उन्हें गाना पसंद आया और पूछा कि क्या सुभाष को भी पसंद आया। सुभाष नाराज हो गए और रहमान पर चिल्लाने लगे, 'मैं आपको इसके लिए 3 करोड़ रुपए दे रहा हूं...मैं सुखविंदर से भी करवा सकता हूं, मुझे आपकी क्या जरूरत है?'' वर्मा ने कहा, ''रहमान ने जवाब दिया आराम से बात कीजिए। आप मेरे काम के लिए नहीं, मेरे नाम के लिए पैसे दे रहे हैं। भ्रमित मत हों... इसके बाद रहमान चेन्नई चले गए। वर्मा के अनुसार, रहमान ने बाद में सिंह को फोन किया और उनसे गाना पूरा करने को कहा। वर्मा ने साक्षात्कार में कहा, ''एक साल बाद रहमान के मैनेजर ने सुखविंदर को पांच लाख रुपए का चेक भेजा। सुखविंदर ने पूछा क्यों? मैनेजर ने कहा, 'आपने रहमान के लिए एक गाना बनाया था और उन्होंने उसे एक पार्टी को बेच दिया, और ये पांच लाख रुपए आपका हिस्सा है।' रहमान ने वो गाना किसे बेचा था? 'स्लमडॉग मिलियनेयर' और गाना 'जय हो'।'' रहमान को जय हो गीत के लिए सर्वश्रेष्ठ गीत का अकादमी पुरस्कार मिला, जिसे उन्होंने गीतकार गुलजार के साथ साझा किया। डैनी बॉयल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अपने संगीत के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ संगीत का ऑस्कर भी मिला।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है 'द 50' : रिद्धि डोगरा

मुंबई/एजेन्सी

फराह खान के रियलिटी शो 'द 50' का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं।रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा। खास बात यह है कि 'द 50' में वह कोई किरदार नहीं निभा रही हैं, बल्कि खुद के असली रूप में सामने आएंगी। वह बताती हैं, यह शो मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई किरदार नहीं है। मैं बस खुद के रूप में सामने आऊंगी और दर्शक मुझे देखेंगे जब मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर बेहतर पेश करूंगी।

अभिनेत्री प्रशंसकों के समर्थन और प्यार को अपना सबसे बड़ा सहारा मानती हैं। वह कहती हैं कि उनके फैंस और शुभचिंतक उनके पंख हैं, जो उन्हें उड़ान भरने की ताकत देते हैं। रिद्धि अपने सफर के हर पल को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। फराह खान इस शो को होस्ट करेंगी, शो का प्रीमियर जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा, जहां रिद्धि एक मजबूत दावेदार के रूप में नजर आएंगी। 'द 50' रियलिटी शो में 50 हस्तियां हिस्सा लेंगी, जो शो में कई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी। लगभग 50 एपिसोड चलने के बाद एक विजेता चुना जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इस शो में दर्शक भी प्राइज जीत सकते हैं। फैंस अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को चुनकर उस पर दांव लगा सकेंगे। अगर उनका चुना हुआ प्रतियोगी शो जीतता है, तो फैन को भी इनाम के एक हिस्से का लाभ मिलेगा।

रजत जयंती उत्सव के उपलक्ष्य में विशेष पत्रिका लेखन कार्य सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम स्थित शांतिनाथ जैन मंदिर में स्थापित लब्धि चक्र-स्थूलभद्रसूरीश्वर गुरु मंदिर की रजत जयंती उत्सव के तहत स्मारिका पत्रिका व पत्रिका लेखन कार्य का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जैन धर्म, दर्शन, गुरु महिमा, जिनालय की ऐतिहासिक यात्रा, आध्यात्मिक प्रेरणाओं एवं समाज की सेवा-भावना को समर्पित लेखों का संकलन किया गया। पत्रिका लेखन कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारीगण चेयरमैन शांतिलाल खिंवेसरा, रमेश भंडारी, विनोद संचेती, अध्यक्ष, सुरेशकुमार भंडारी, उपाध्यक्ष प्रसन्न चण्डालिया, मंत्री नरेंद्र आच्छा, सहमंत्री चन्दनमल भंसाली,कोषाध्यक्ष सज्जनराज बरलोटा, सह कोषाध्यक्ष जवरीलाल मूथा सहित अनेक सदस्यों ने सहयोग किया। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह स्मारिका पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए रजत जयंती उत्सव की जीवंत दस्तावेज़ होगी, जो गुरु भक्ति, जिनालय की महत्ता एवं संघ की एकता को स्थायी रूप से अभिव्यक्त करेगी। अंत में संघ की ओर से रजत जयंती उत्सव के आगामी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए न्यौता दिया।

जैन मुनि दीक्षा आत्महित के लिए स्वीकार की जाती है : मुनि पुलकित कुमार

दीक्षार्थी लवेश को दिया तेरापंथ मुनियों ने दिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ संघ के मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी के सान्निध्य में दीक्षार्थी लवेश सिंघवी का गुरु पुष्कर भवन में सम्मान किया गया। जैन भागवती दीक्षा महोत्सव के अवसर पर श्रावकों को संबोधित करते हुए मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि जैन मुनि दीक्षा आत्महित के लिए स्वीकार की जाती है, किसी भी प्रलोभन, दबाव या बहकावे में नहीं। महाव्रतों को वही स्वीकार कर सकता है जो जिनवाणी पर श्रद्धा रखता है। संयम जीवन की प्राप्ति चार दुर्लभ बातों में सबसे दुर्लभ है। मुनिश्री ने दीक्षार्थी के प्रति मंगल कामना करते हुए कहा कि तुम्हें बड़े सौभाग्य से दीक्षा लेने का अवसर मिल रहा है, गुरुदेव की आज्ञा का पालन करते हुए जिन शासन की खूब अच्छी सेवा करना। ङ्क स्थानकवासी श्रमण संघ के उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी ने कहा कि तेरापंथ समाज की यह उदारता है कि आज पुलकित मुनि जी एवं तेरापंथ संघ के श्रावक स्थानकवासी दीक्षार्थी को आशीर्वाद देने पधारे। मुनिश्री के आशीर्वाद से दीक्षार्थी को विशेष प्रेरणा एवं संयम में बल मिलेगा। नरेशमुनिजी ने कहा कि स्थानकवासी श्रमण संघ एवं तेरापंथ समाज में आपसी सौहार्द व अच्छा समन्वय हमेशा से है, जो आज दीक्षा महोत्सव के इस शुभ अवसर पर गुरु जेष्ठ पुष्कर भवन में देखने को मिल रहा है। मुनि शालिभद्र जी एवं मुनि आदित्य कुमारजी ने भी दीक्षार्थी के प्रति मंगल भावना प्रकट की। इस अवसर पर साध्वीश्री सत्य प्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, मेघाश्रीजी एवं रिद्धिश्रीजी आदि उपस्थित थे। ङ्कङ्कइस मौके पर तेरापंथ सभा गांधीनगर के पूर्व अध्यक्ष रामलाल गन्ना, महेंद्र श्रीमाल, सम्पत दक, माणकचंद मुथा सुशील बाघमार आदि ने दीक्षार्थी का सम्मान किया। मुनिश्री ने दीक्षार्थी लवेश को मंगल भावना का मंगल पाठ सुनाया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र के मंत्री महावीर मेहता ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर ईटा गार्डन अपार्टमेंट के भी अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुरु के प्रति समर्पण भावना से जुड़ें, संसार के सब अभाव संकट मिट जाएंगे : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

मुमुक्षु लवेश सिंघवी की दीक्षा की मेहंदी सांझी कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के तत्वावधान में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर गुरुवार को दूसरे दिन मेहंदी सांझी का कार्यक्रम गुरु पुष्कर भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुआ उपस्थिति थी।ङ्कउप प्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने अपने विशेष प्रवचन में गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कलिकाल सर्वज्ञ दादा गुरुदेवश्री ज्येष्ठमलजी और विश्व संत उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी के उन पर रहे महान असीम उपकारों को याद करते हुए कहा कि हम सब पर गुरुदेव के महान उपकार रहें। आज जो कुछ भी है, सब उन महापुरुषों की असीम कृपा, आशीर्वाद है। उन्होंने जीवन में गुरु भक्ति सेवा समर्पण भावना का महत्व समझाते हुए कहा कि जैसे एकलव्य की गुरु भक्ति अपने गुरु द्रोणाचार्य के प्रति थी। जिसके गुरु दक्षिणा में अपने गुरु को अपने हाथ का अंगुठा भी काटकर सहर्ष गुरु को समर्पित कर दिया था। सभा में मुनिश्री ने अपने पूर्व में बम्बई बालेश्वर में किए चातुर्मास के एक घटना संस्मरण को याद करते हुए एक गुरु भक्त की गुरु भक्ति की सराहना की। जीवन में गुरु का मिलना परम सौभाग्य की बात है। जो गौतम स्वामी की तरह प्रभु महावीर के बताए मार्ग, पदचिह्नों पर चलते हैं। उन आत्माओं का जल्दी ही इस संसार सागर से किनारा हो जाता है। जिसने गुरु की सुन ली फिर उन्हें गुरु कृपा से दुनिया में किसी को नहीं सुननी पड़ती है। मात्र गुरु को मानना ही पर्याप्त नहीं है, भगवान, गुरु की शिक्षाओं को मानना, अपने जीवन में धारण करना भी जरूरी है।गुरु अपने शिष्य को हर संकट से बचाते हैं। गुरु के 'डीयर' बन कर रहेंगे तो आपके सब काम सफल सिद्ध हो जाएंगे। जो आपकी आंखों में कभी 'टीयर' नहीं आने देंगे। जरुरी है गुरु के नजदीक रहें। गुरु के प्रति समर्पण भाव रखें। आपके जीवन का कल्याण हो जाएगा।ङ्कङ्कशालिभद्र मुनिजी ने भाव, स्वभाव और प्रभाव पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि मेहंदी के रंग की तरह अपने गुरु के प्रति समर्पण भावना रखेंगे तो आपके जीवन के सब अभाव दूर हो जाएंगे। उन्होंने एक प्रेरक भक्ति गीत भी गाया। साध्वीश्री सुप्रभाजी, समृद्धिश्रीजी, ऋषिताश्रीजी ने भी अपने प्रासंगिक विचार व्यक्त किए और मेहंदी के लाल रंग की विशेषता बताते हुए उसे अध्यात्म से जोड़ा।दीक्षोत्सव के धर्म लाभार्थी परिवार मीठालाल भरत कुमार भंसाली परिवार व शांतिदेवी जवरीलाल उत्तमचंद, प्रकाशचन्द, पदमचंद रातड़िया परिवार द्वारा सभी कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई। दोपहर में पुष्कर भवन में मेहंदी सांझी का कार्यक्रम व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोक कुमार रांका, माणकचन्द बडेरा, महावीरचन्द धारीवाल, महामंत्री महावीरचंद मेहता, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा, फूलचंद लुंकड़, हीराचंद पारख आदि ट्रस्ट एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर साध्वीश्री रिद्धिश्रीजी, सिद्धिश्रीजी व तरुणशीलाजी आदि भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में पुष्कर जैन सेवा संगठन महिला, युवती व बालिका मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया। आज शुक्रवार को प्रातः प्रवचन में केसर समारोह आयोजित किया जाएगा।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में मर्यादा क्रिज प्रतियोगिता आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा मर्यादा क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन तेरापंथ भवन में गुरुवार को किया। मंडल की अध्यक्षा मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत किया। मर्यादा क्रिज प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को आचार्यों के नाम पर बनी आठ टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिता को पूर्ण नियमों के अनुसार चार राउंड में आयोजित किया गया। निर्णायक की भूमिका में लता बाफना, विजया मनोत एवं शोभा बोथरा ने मूल्यांकन किया।संयोजिका पूनम दुगड़ ने संचालन किया। सह-संयोजिका दीपिका देरासरिया एवं कविता सुराणा ने व्यवस्था संभाली। केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में जिन सदस्याओं ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल की उन्हें तथा क्रिज के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर आगामी कैंसर दिवस पर आयोजित निशुल्क पैप स्मेयर टेस्ट की जानकारी एवं महिलाओं को जागरूक करने के लिए नाटक की प्रस्तुति की गई। प्रतियोगिता में 32 महिलाओं ने भाग लिया। कविता सुराणा ने धन्यवाद दिया।

जीवन में परिवर्तन बाहरी नहीं, भीतर की सजगता से आता है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हम में से हर एक को इस धरती पर एक सीमित जीवन मिला है। इसमें हमारे पास यह अवसर है कि हम अपने जीवन के उद्देश्य की खोज करें।

जीवन हर दिन, हर जगह, हर बेहतरीन तरीके से जीने के लिए हमारे पास एक उद्देश्य, एक दृष्टिकोण होना चाहिए। यह विकास और जीवन के परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है, जो आत्मसंतोष, खुशी और संतुष्टि पैदा करता है। जीवन में परिवर्तन बाहरी नहीं, भीतर की सजगता से आता है और जो व्यक्ति सज्ञन होकर जीता है वह प्रत्येक क्षण को जीवन की अनमोल साधना बना लेता है।

जीवन की गाड़ी लगातार भाग रही है, पर कहां जा रही है अधिकांश लोग खुद भी नहीं जानते, ये जीवन नहीं जुगाड़ है. जीवन जीना वो होता है जिसमें लक्ष्य हो, उद्देश्य हो और जीवन परिवर्तन की मजबूती ही जीवन में हर मनुष्य को सहयोग करने की कोशिश या भावना रखनी चाहिए। हम जीवन में प्रगति भी कर रहे हैं लेकिन कभी खुद को संतुष्टि मिली कि नहीं, इस अर्थपूर्ण जवाब को जानने का प्रयत्न भी नहीं करते।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि समय एक ऐसी गाड़ी है जिसमें न ब्रेक है और न ही रिवर्स गियर। घड़ी रुक सकती है, लेकिन समय नहीं रुकता। धन, स्वजन और शरीर का स्वास्थ्य खो जाए तो पुनः प्राप्त किया जा सकता है, पर खोया हुआ समय कितने भी प्रयत्नों से वापस नहीं मिलता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

कर्नाटक श्वेताम्बर जैन फोरम के सदस्यों ने गुरुवार को कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष निसार अहमद से मुलाकात की और अल्पसंख्यक जैन समाज के लिए तय योजनाओं, जो जैन समाज तक नहीं पहुंच पा रही हैं उनकी जानकारी दी। इस अवसर पर फोरम के संस्थापक सिद्धार्थ, हितेश गिरिया और डॉ. रेणु रांका ने निसार अहमद का सम्मान किया। उन्होंने निसार अहमद को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें जैन श्वेतांबर समुदाय के लिए समर्थन और कल्याणकारी सुविधाओं की मांग की। इस मौके पर जैन समुदाय के सुरेश कुमार चावत, कैलाश संकलेचा, पृथ्वीराज मेहता, लाभेश कांसवा, अशोक खींचा, विजयराज बाघमार आदि उपस्थित थे।

25वां 'भारत रंग महोत्सव' 27 जनवरी से : 289 नाटकों का होगा मंचन

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के वार्षिक आयोजन 'भारत रंग महोत्सव' का 25वां संस्करण यहां 27 जनवरी से शुरू होगा। एनएसडी के निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि महोत्सव में इस बार कई नई पहल की जा रही हैं, जिनमें 33 महिला निर्देशकों के नाटक का मंचन, 15 देशों के रंगमंच समूहों की भागीदारी और कई नए आयोजन स्थलों को शामिल किया जाना प्रमुख है।

'भारंगम' के नाम से मशहूर इस महोत्सव में देशभर के 40 केंद्रों में कुल 277 भारतीय और 12 अंतरराष्ट्रीय नाटकों का मंचन होगा। अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियों में रूस, स्पेन, चेक गणराज्य, इटली और नेपाल के नाटक शामिल हैं। ये नाटक कुल 228 भाषाओं और स्थानीय बोलियों मंचित होगी।

मानव जीवन दुर्लभ है और संयम ग्रहण करना दुर्लभतम : साध्वी संयमलता

होसकोटे/दक्षिण भारत । बेंगलूरु से विहार करते हुए होसकोटे पहुंची साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में धोका निवास पर प्रवचन के साथ प्रेक्षाध्यान क्लास, वृहद मंगल पाठ के साथ तत्त्व चर्चा आदि कार्यक्रम चल रहे हैं। साध्वी कानकुमारीजी, मनुयशाजी एवं कनकश्रीजी की स्मृति आयोजित सभा में साध्वी संयमलताजी ने कहा, मानव जीवन दुर्लभ है।

मनुष्य जीवन में संयम स्वीकार करना दुर्लभतम घटना है। संयम जीवन के अंतिम समय में संथारा ग्रहण करना करना मानो चार चांद लगा देता है। साध्वियों ने संथारा लेकर मृत्यु को महोत्सव बना लिया, ऐसे संघ समर्पित, श्रद्धाशील, आचारनिष्ठ, नियमनिष्ठ, आज्ञानिष्ठ साध्वियों को श्रद्धांजलि अर्पित है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**